



निर्माण IAS

सामाजिक आधिकारीका

QIP - CURRENT ISSUES

Unit-1

By:

Sunil 'Abhivyakti' Sir

ENQUIRY OFFICE

631 Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-09

HEAD OFFICE/CLASS ROOM

996 1st Floor, Mukherjee Nagar (Near Gandhi Vihar Bandh) Delhi-09

PH.: 011-47058219, 9540676789, 9717767797

Website : www.nirmanias.com | E-mail : nirmanias07@gmail.com

You can also visit our digital platform-



समसामयिक मुद्दा

प्र.1:- विधायिका के अंदर और बाहर दोनों स्तरों पर सदस्यों के लिये आचरण संहिता लागू करने की तार्किकता का परीक्षण कीजिए? भारत में कठोर आचरण संहिता क्यों होनी चाहिए?

प्र.2:- गांधी जी की नैथक प्रणाली में परोपकारिता ‘नैतिकता का सर्वोच्च रूप है।’ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गांधी जी के इन मूल्यों की प्रासंगिकता बताइए?

प्र.3:- नैतिकता के दृष्टिकोण से ‘मृत्युदण्ड’ कहाँ तक उपर्युक्त है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए?

प्र.4:- सिविल सेवकों में लोक सेवा मूल्यों की गिरावट के प्रमुख कारणों को वर्णित करते हुए सिविल सेवकों में नैतिक मूल्यों को निर्धारित करने की प्रमुख क्रियाविधियों की चर्चा कीजिए?

प्र.5:- चुनाव अभियानों के संदर्भ में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन एक सामान्य राजनीतिक परिघटना बन गयी है। इसकी नैतिकता का परीक्षण कीजिए? राजनीतिक अभियानों में संबंधित विभिन्न नैतिक मुद्दों का परीक्षण कीजिए?

प्र.6:- अंग प्रत्यारोपण में सम्मिलित नैतिकता के विभिन्न मुद्दों को स्पष्ट करते हुए अंग दान की नीति का परीक्षण कीजिए?

प्र.7:- किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा किसी सार्वजनिक या किसी संपत्ति को उसके स्वामी की अनुमति के बिना जानबूझ नष्ट या विनष्ट करना कहाँ तक नैतिक है? इसमें किस प्रकार की नैतिक मुद्दे आप देख सकते हैं।

प्र.8:- कृत्रिम बुद्धिमता वर्तमान कम्प्यूटर विज्ञान की एक महत्वपूर्ण एवं उपयोगी परिघटना है परन्तु इनमें अकेले नैतिक मुद्दे भी समाहित है इनकी जांच करते हुए कृत्रिम बुद्धिमता एवं नैतिका में अमन्वय के उपाय सुझाइए?

प्र.9:- विफलल्लोइंग क्या है, यह जिस प्रकार नैतिकता की दृष्टि से विचारणीय है?

प्र.10:- लॉकिंग में नैतिकता के द्वारा अंतर्निहित है स्पष्ट कीजिए? क्या लॉकिंग की परिपहनाएँ भावनात्मक समझ की प्रतिगामी हैं?

प्र.11:- सामाजिक जवाबदेशी क्या है? इसके उद्देश्य तथा इसके समक्ष चुनौतियों को बताते हुए इस तथ्य का परीक्षण कीजिए कि अभिवृत्ति परिवर्तन के द्वारा कैसे सामाजिक जवाबदेही को सुनिश्चित किया जा सकता है?

प्र.12:- एनकाउंटर में होने वाली मृत्यु में शामिल नैतिक मुद्दें को स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि क्या एनकाउंटरअपराध की मनोवृत्ति को बदलने की पुष्टि में प्रभावी साबित होंगे?

प्र.13:- जीव एडिटिंग नई वैज्ञानिक परिघटना है। इससे संबंधित नैतिक चुनौतियों को वर्णित करते हुए इसके लाभ बताइए?

प्र.14:- हितों का टकराव क्या है? यह किस प्रकार व्यवस्था को प्रभावित करता है? इसके समाधान के लिये क्या क्रियाविधि होनी चाहिए?

प्र.15:- निजता संबंधी नैतिकता क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है। सादोहरण स्पष्ट कीजिए?

प्र.16:- पर्यावरणीय नैतिकता क्या है? इससे संबंधित नैतिकता के प्रमुख पहलुओं को वर्णित कीजिए तथा इसके समाधान क्रियाविधि सुझाइए?

प्र.17:- खिलाड़ियों का आचरण हाल के वर्षों में नकारात्मक उपलब्धियों के कारण चर्चा में रहता है इस संदर्भ में खेलों में नैतिकता की सीधापना के प्रमुख पहलुओं को वर्णित कीजिए?

प्र.18:- चिकित्सीय नैतिकता क्या है? यह क्यों महत्वपूर्ण है सोहादरण स्पष्ट कीजिए?



निर्मान IAS

सामाजिक आदर्शों

QIP - Current Issues

By:

Sunil 'Abhivyakti' Sir

ENQUIRY OFFICE

631 Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-09

HEAD OFFICE/CLASS ROOM

996 1st Floor, Mukherjee Nagar (Near Gandhi Vihar Bandh) Delhi-09

PH.: 011-47058219, 9540676789, 9717767797

Website : www.nirmanias.com | E-mail : nirmanias07@gmail.com

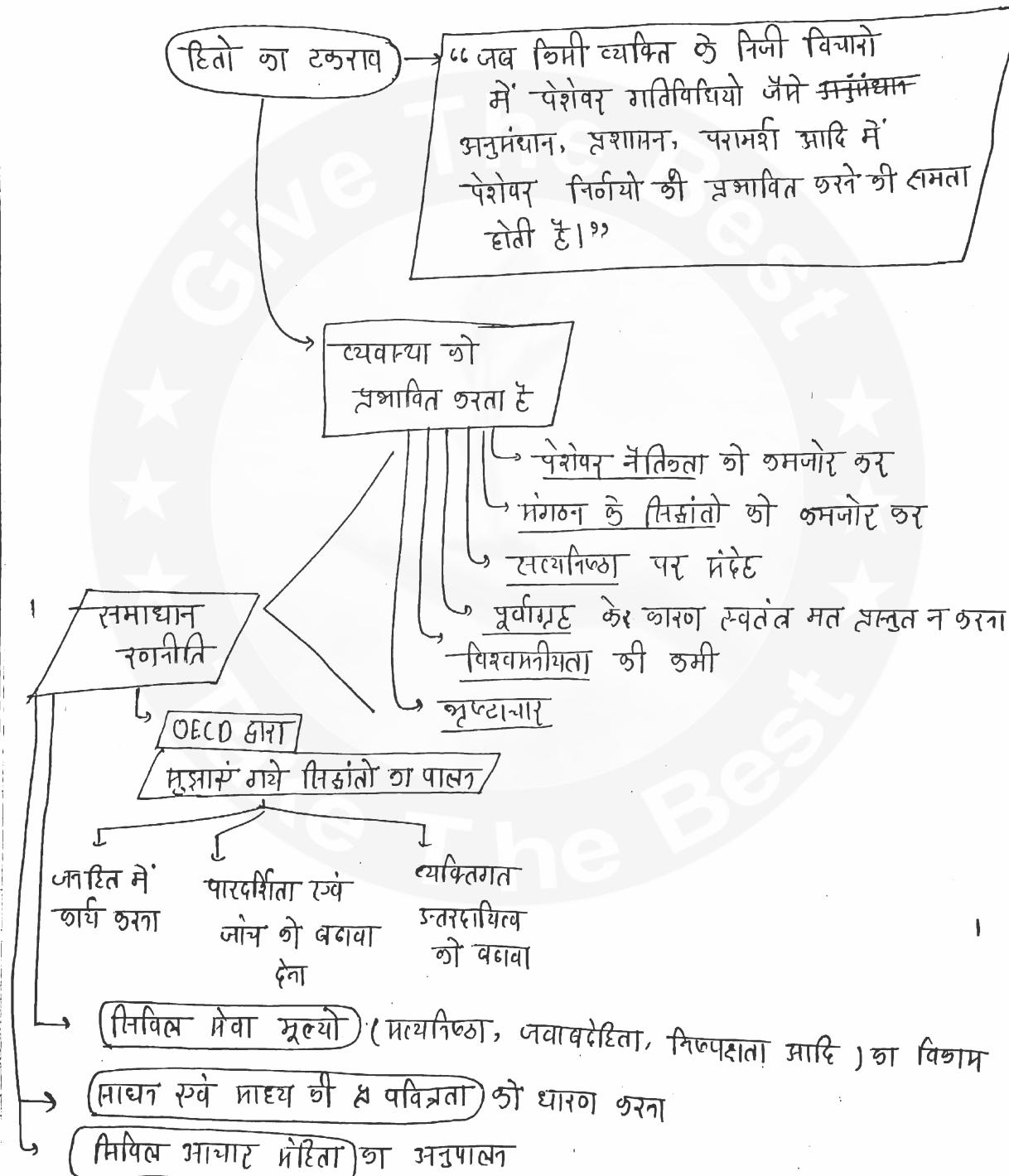
You can also visit our digital platform-



समसामायिक मुद्दाः इतो का टकराव

(1)

संभावित स्पष्टनः इतो का टकराव क्या है? यह जिस प्रभार व्यवस्था को
प्रभावित करता है? इन्हें समाधान के लिये क्या क्षियाविधि होनी चाहिए?



- (२) 'दितो ऊ टकराव' व्यवस्था को निम्नलिखित रूप में प्रभावित छता है-
- 1) पेक्षेपर नेतृत्वा जो जमजोर ऊना उदाहरण - व्यक्तिगत लाभ के लिये सार्वजनिक अद्वित में लार्य ऊना, ब्राई-भतीजावाद को बचाव देना, गोपनीय सूचनाओं को अपने दित में प्रयोग ऊना (इनप्राइवेट ड्रेसिंग) जाए।
 - 2) सत्यनिष्ठा पर मोदें उत्पन ऊना तथा मोन्या में निर्णय लेने जी प्रक्रिया जो मनुष्यित रूप में प्रभावित ऊना उदाहरण - विशिळ प्रशार के द्वारा होते।
 - 3) दितो ऊ टकराव वस्तुनिष्ठता जो जमजोर ऊर पर पड़ता है तथा छिपी मामले में प्रस्तुत जी जाने वाली व्यारख्या रखने तर्फ को विष्ट ऊर पर पड़ता है।
 - 4) भूष्याचार ; पि-तीय दित, दितो के टकराव के प्रबन्धे प्रचलित रूपों में से एक है।

लेखिन ऊरी - ऊरी 'दितो के टकराव', के प्रारंभिक अवधारणा भी प्राप्त होते हैं ; जैसे - विस्तरित जनिवर्यि रूप में गवत ऊरी जी तरफ मंथेत नहीं ऊना। इसके चारि इनी उपर्युक्त पदचार रखने प्रबंधन नहीं छिया जाता तो यह लोगों के ऊरी रखने में गंगा ने उत्तमान पहुंचा लक्ष्या है। इनके द्वारा दृष्टि देते निम्नलिखित रूपानीति उपग्राही जा पड़ती है-

- (i) OECD द्वारा 'दितो के टकराव' प्रबंधन देते बताए गए मिसांतों को ऊर ऊना जैसे -
- जनद्वित में ऊरी ऊना
 - पारदर्शिता और जोन जो बचाव देना
 - व्यातिगत - उत्तरदायित्व मौर व्यक्तिगत उदाहरणों को बचाव देना
 - रख हेती मंगठानामक लंतक्षति को बोलोमाइट ऊना जो दितो के टकराव के बृति मन्दिरिज्जु हो।

महसूसामायिक मुद्दः गांधीवादी नीतिशास्त्र

(3)

मा नेभावित पृश्नः गांधी जी की नैतिक पूणाली में परोपकारिता 'नैतिकता वा सर्वोच्च रूप हैं' वर्तमान परिष्कृत्य में गांधी जी के इन मूल्यों की प्रामाणिकता बताइए ?

गांधी जी की नैतिक पूणाली में 'परोपकारिता' वा जनुक्तीत्व, 'नैतिकता' का सर्वोच्च रूप है। गांधी जी 'यथाधि नैतिकता' लाभ वा दानि, जीवन मा मृत्यु जादि की परवाह नहीं उठती है। इसका उत्तराय महेव रुजु उआदर्श के तिस स्वयं को अर्पित ऊने के लिये तैयार रखता है।

गांधीवादी मूल्य

- 1) सद्गुण जाग्यारित मूल्य
(सत्य, अद्विद्या, त्वेम आदि)

प्रामाणिकता

- त्यपत्त्या के प्रत्येक गोपान में महत्वपूर्ण
 - सांप्रदायिक इमां को टक्के ऊरे में
 - लिंगगत / जातिगत भेदभाव समाप्त ऊरे देते
 - आतंकवाद के निषाज में
 - पर्यावरण को प्रदृशनी रखें जीवों से त्वेम - भाव रखो -- ग्राहि

- 2) साधन रखें प्राद्य वी पवित्रता वा मूल्य

- सामाजिक जास्तीता / राजनीतिक जास्तीता की समाप्ति
 - सभी तब दुनियादी मुविधाओं (रिक्षा, ट्वार्क्ष्य, जावास, रहन - रहन भादि) की उपलब्धता
 - प्राकृतिक - याय वा अनुपालन

④ ३) सात जामानिक पाप जा
मिलांते,
 ↘ विना मिलांते के
राजनीति
 ↘ विना शाम के धन
 ↘ विना चरित्र के ज्ञान
 ↘ विना मानवता के
विज्ञान --- इत्यादि

→ राजनीतिक नेतृत्व की स्थापना
 हेतु जावशयक
 ↘ भूष्टायार, भाई भतीजावाद,
 जपनाथ जा राजनीतिकरण आदि
 एमान्यामो जा नमाधार
 → पृथामनिक नेतृत्व एवं प्रशंसन
 जा विज्ञान
 → निविल सेवा सूल्यो (मध्यमिष्ठ),
 जवाबदेहिता, पारदर्शिता आदि जा
 अनुपातन

④ ५) उपशोगवादी पृष्ठति जी
 जगह संघारणीय पृष्ठति जो
 अपनाना

→ मानवीय रचनामिकता जो बनावा
 कुटीर उद्योगो, दृष्टिशिल्प आदि जो
 धूमालाल
 ↘ लोड- इंटेंसी निजी उद्यम (इत्यरिप
 CSR में भूमिका जो बनाना अस्तिंत)

५) सत्याग्रह जैसे सूल्यो
 जा पालन

→ वैरिक त्वर पर जानें दिसें
 चुगौतियो जा निपटा, जैसे - अरब-पांछट
 नीरिया पांछट, दूर उड़ाकीजा सेट आदि
 जा क्रिसम नमाधार

६) गांधी जी जा
रणादरा
नेतृत्व वृत
 ↘ पंचवृत
 ↘ सर्वधर्म समझाव

→ धार्मिक नृदृता, नक्षत्रवाद, होववाद
 जा नमाधार
 ↘ जाति- पाति, झंच- नीच जा औद्योग
 नमाप्त ऊर्जे में नहायन

समाजान्यिक मुद्दा: 'नैतिकता के हृषिकोण से मृत्युदण्ड' (5)

संभावित घटना: नैतिकता के हृषिकोण से 'मृत्युदण्ड' कहाँ तक उपयुक्त है? सोशल ल्पष्ट कीजिए?

छिंगी विशेष अपराध के लिए राज वैध भारती मुख्यमें के पश्चात् देशवराप अपराधी जो मृत्यु नी सजा देना मृत्युदण्ड है। इसे लेवल राज्य छारा उपयोग किया जा सकता है।

पक्ष में तर्क

- 1) न्याय यह मांग उरता है कि उदाहरणों जो उपराध के अनुसार देश घटना उन्हाँ चाहिए ताकि अपराध के घटना सार्वजनिक घृणा घतिकिंचित हो।
- 2) मृत्युदण्ड, भारत और भारत के लक जो बणवा देने के में राज उत्प्रेरण वा वार्य उरता है। गत यह भविष्य में संभावित उपराधियों हेतु निवारक के रप में वार्य उरता है।
- 3) सामुदायिक लोकता घास्त होना।

विपक्ष में तर्क

- 1) 'मृत्युदण्ड' वा कियान्यन, और 'कियावध' जी द्वारा -घटिका के दोरान इतनान, के रप में मृत्युदण्ड 'जोहा दंड' घटना उरता है।
- 2) सांरित्यनीय घमान यह तिछ नहीं उरते हैं कि इमठा निवारक घमाव होता ही है।
- 3) उपराध वा जितना संबंध व्यक्तिगत उत्तराधिकार में है उतना ही सामाजिक विफलता से भी है अतः यह उपराध लियति में भिंगी व्यक्ति वा जीवा तेने की मांग नहीं उर सकता जबकि वह स्वयं उपराधिया में रामिल रहा है।

(6)

भारत में उच्चतम् - यायात्रय ने मृत्युदंड देने की क्षमित के स्वयोग वा दायरा निर्धारित किया है। इस संबंध में 'जाजीवन कुरावाहा' दो नियम रखे मृत्युदंड को जपवाद की जेठी में रखा गया है। उच्चतम् - यायात्रय ने मृत्युदंड वा आँचित्य 'रेयरेट्ट भॉफ रेयर ट्रेन', ले मिलांत वा वृत्तिपादा तर ल्यापित किया है। अतः सावध जीवन की रक्षा वा तैतिनि दायित्व रखे मंविदान तारा पृष्ठ भॉलिभ झुकिएरो वा मंरहाण मुनिशित किया जाग उपरक्षण है।

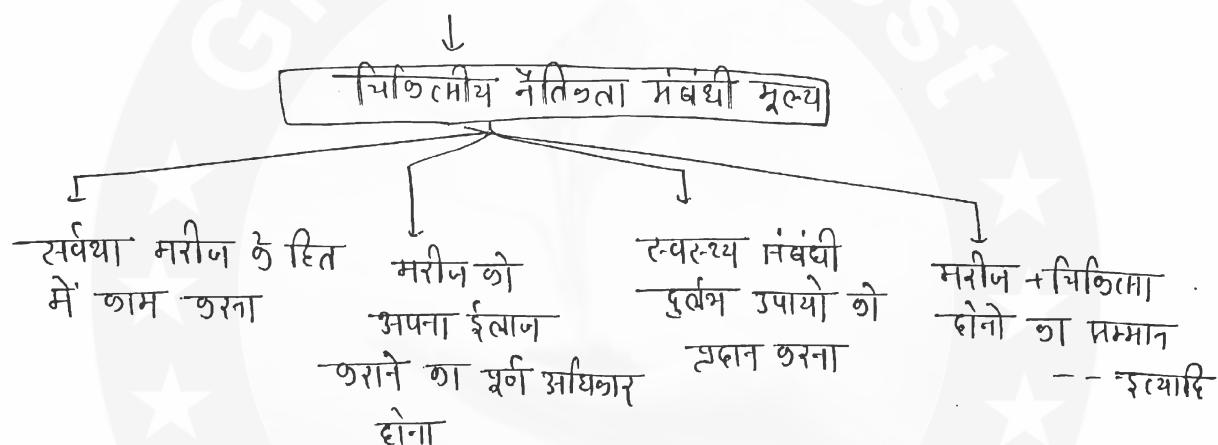
समसामाजिक मुद्दा : चिकित्सीय नैतिकता

(7)

निभावित प्रश्न : चिकित्सीय नैतिकता क्या है ? यह क्यों महत्वपूर्ण है
सोशाइटी स्पष्ट कीजिए ?

चिकित्सीय नैतिकता

“ मेडिकल व्यवसायी अपने संगठन प्रोफेर मरीजों के लिए सत्यानिष्ठा का संबंध रखे । माथ ई कार्यों का संपादन करते समय सद्गुणों का ध्यान रखें (शुभ, उचित, वांछनीय जादि) । ”

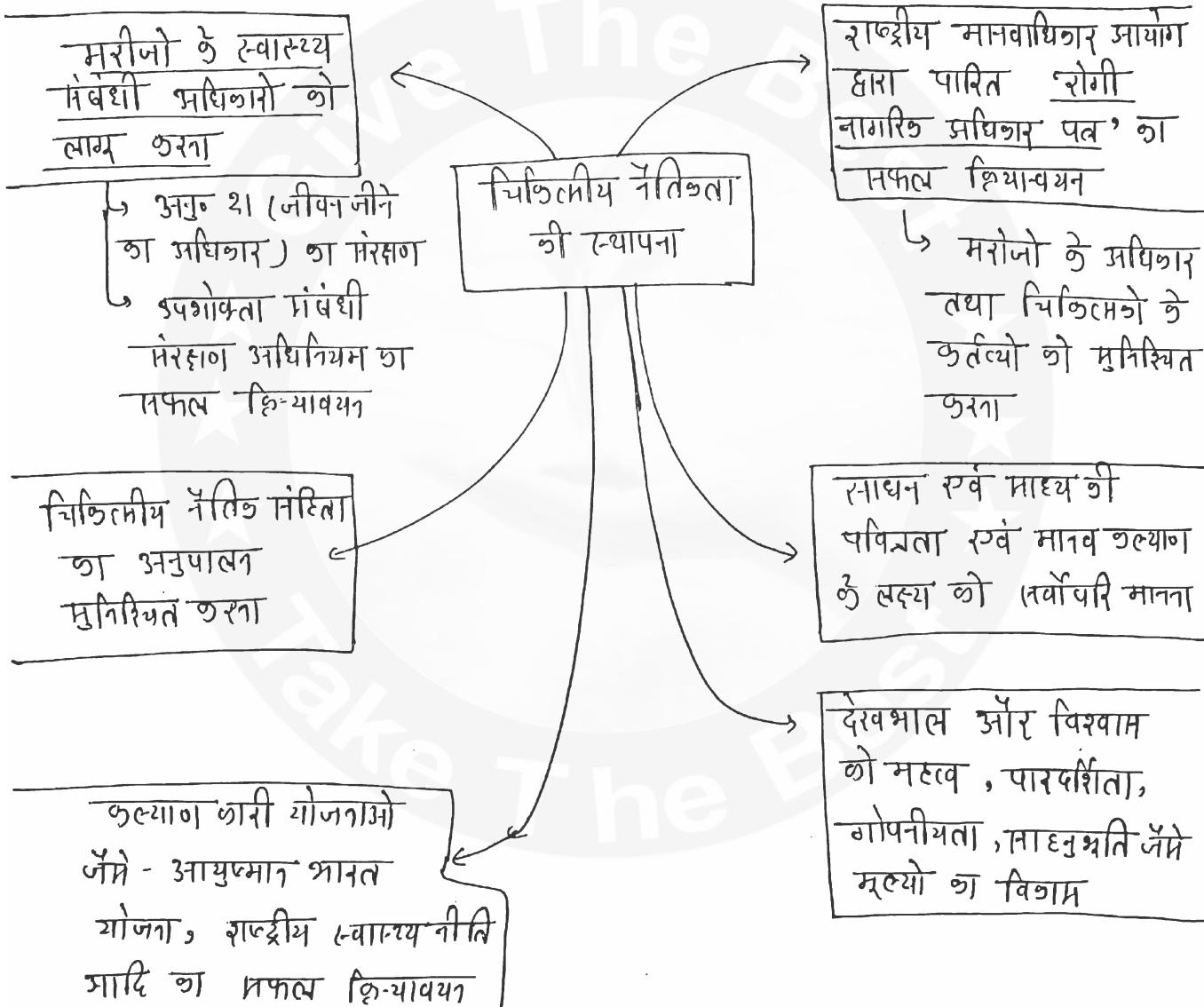


चिकित्सीय नैतिकता निष्पत्ति कारणों से महत्वपूर्ण है -

- उदाहरण - 1) नेशनल सेंप्ल मर्क ऑर्गेनाइजेशन रिपोर्ट (2015) के अनुसार 80% परिवार जिनी भी प्रशार छी संवर्त्य संबंधी नीति के अन्तर्गत शामिल नहीं होते ।
- 2) राजस्वलय (NSO) के अनुसार लगभग 6 लाख परिवार जिनी न जिनी बीमारी के कारण स्फूर्ति वर्षे हॉस्पिटल में अती जिए जाते हैं ।
- 3) लिलालपुर नमवंशी काठ, गोरखपुर में वच्चों को जॉकमीजन न उपलब्ध होने के कारण उनकी मौत जादि ।

- ⑧ ७) वेंशिवण पोखरा रिपोर्ट के अनुसार कृपोधन या मधिन वजन और मोटापे से प्रत्येक ३ में से २ व्यक्ति इमावित हैं।

इस तथार व्याप्त उपर्युक्त चुनौतियों में निपटने हेतु चिकित्सीय नंतिला जी स्थापना महत्वपूर्ण है। इसके लिये निम्नलिखित उपाय लागू किये जा पड़ते हैं।



समरामायित मुद्दः लॉबिंग स्वं नीतिशास्त्र

(9)

संशावित प्रश्नः लॉबिंग में नीतिका के प्रश्न आंतरिक हैं स्पष्ट जीवित? क्या लॉबिंग की परिधिनाम आवनाम ममज्ञ की पूतिगमी है?

लॉबिंग

‘त्यक्ति, संगठन या समूह हासा राजनीतिक निर्णयों को संशावित करने हेतु जानवृश्चारणिये जाने वाले पूर्याम्।’

विविध नीतिका के प्रश्न

निष्पक्षता मंबंधी
प्रश्न उठता है

पारदर्शिता मंबंधी प्रश्न

दितो कुटकराव
का प्रश्न

नागरिकों
का महित

जब कुछ लॉबिंग करने पालो
की मन्य की तुलना में विधि
निर्माताओं तक आदान पहुंच होती है।
उदाह - वे जिसने दृष्टि में
सार्वजनिक सेवा में कार्य किया
या बाद में निजी होते में
क्रामिक हो गए।

उपने ग्राहकों के
दितो का स्वलिनिधित्व
करने के लिये,
लॉबिट्स प्रायः महत्वपूर्ण
सूचनाओं को पूछत नहीं
जाते हैं।

गोपनीय
सूचनाओं का
दुरापयोग
स्वं संगठनों
द्वारा नीतियों को
स्विकृत के अनुसार
लागू करना न
कि सार्वजनिक दित
में।

लॉबिंग की उपर्युक्त परिधिनाम ‘आवनाम ममज्ञ’ के गभाव का लाभ
(या पूतिगमी) है जिसमें त्यक्ति / संगठन उपने त्यक्तिगत दित व
सार्वजनिक दित के मध्य सम्बन्ध स्थापित नहीं कर पाते। परिनामतः
निम्न मंबंधगाम मूल्यों की पूछत होता, जैसे -

१०

सफलता के लिये अनेक तरीकों को जपना

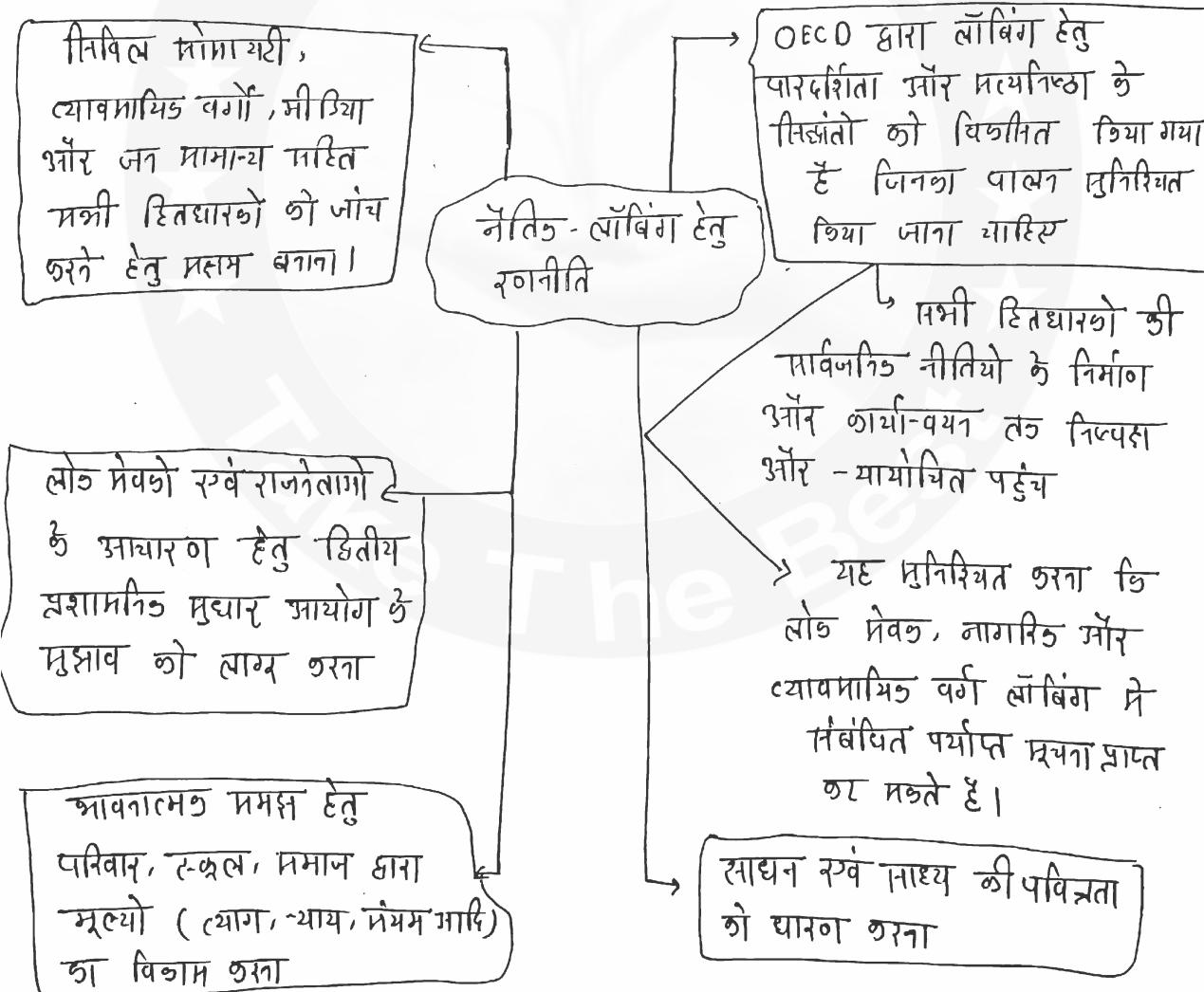
उदाहरण - चुनावी फैज़ के माध्यम से राजनीतिक निर्णयों को अपने पक्ष में लगाए छा प्रयास

परिवर्तन का विशेष

उदाहरण - प्राविनीक उल्यांक की नीतियों जी जपेशा जपने कर दाखिलों के मतामारु वीतियों के निर्माण को द्वेरित करा

परिणाम का विचार जिसे बिगा कुहु लगाए की गहरा
इच्छा करा -- इत्यादि।

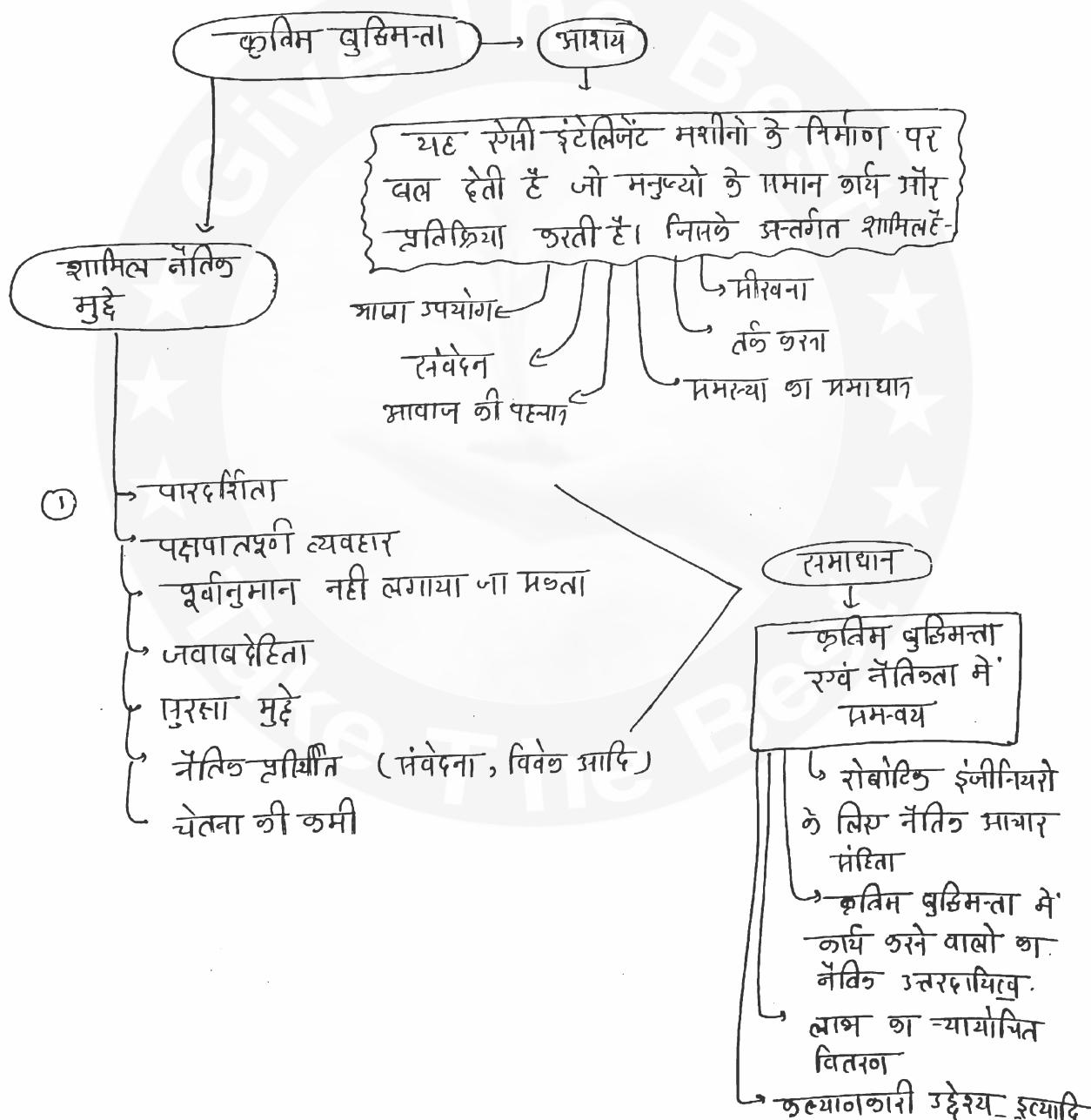
नेतृत्व - लॉबिंग हेतु निम्नलिखित माध्य रणनीति जपनायी जानी
चाहिए -



—समाप्तामाधिष्ठ मुद्दाः ॥ छविम् बुद्धिमत्ता झौर नीतिशास्त्र

11

— संभावित पृष्ठनः एकिम बुद्धिमता वर्तमान उपचार विज्ञान वीरु
 महात्मवर्षी रखें उपयोगी परिधिया हैं परंतु इसमें अनेकों नेत्रियों
 मुद्दे भी समाधित लगे हैं। इनकी जांच उरते हुए एकिम बुद्धिमता
 रखें नेत्रियों में समन्वय के उपाय सुझाइए ?

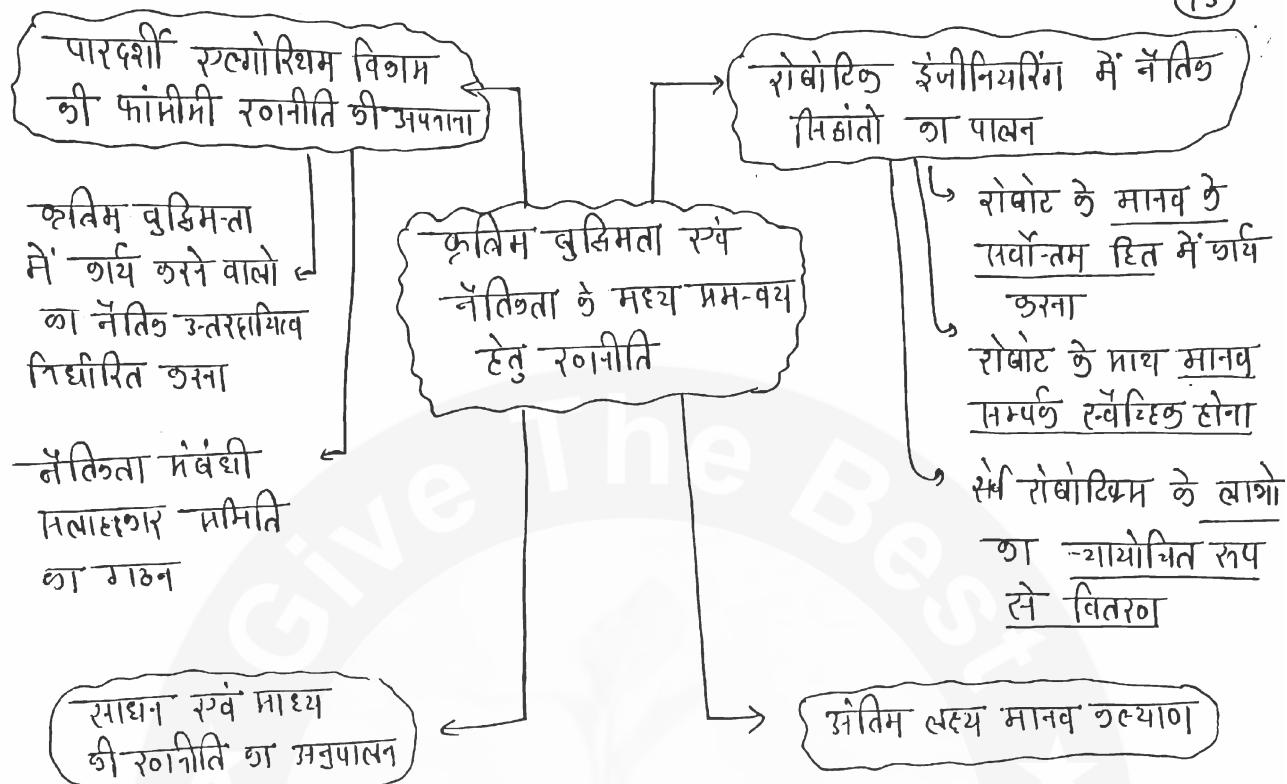


(१२)

कृतिम बुद्धिमत्ता ने प्रबंधित नेतृत्व मुद्दे-

- 1) जब कृतिम बुद्धिमत्ता (AJ) जास्तानिक ग्राम्यांमो सहित संवादात्मक शर्यों में शामिल होता है, उदाहरण के द्वेषान AJ समर्थित कार छापा लिया गया निर्णय; तो इसके लिये महत्वशील है कि विभिन्नता रूपरेखम् पारदर्शी हो)
- 2) रूपरेखम् पक्षपातशील हो पड़ते हैं; उदाहरण - ट्रैक्युलेशन नी ब्रिफ्स में, वे समाज में विद्यमान अधिकारी उनके निर्माणकर्ताओं द्वारा उनमें दृष्टिकोणित राष्ट्रियादी विचारों को उत्तमात तर निर्णय ले पड़ते हैं।
- 3) AJ की सुरक्षा के उत्तराधिकार इसके रूपानीय, विशिष्ट व्यवहार का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा पड़ता है।
- 4) यह संश्लेषण है कि भविष्य में AJ घणाकारी पर्याप्त रूप में बुद्धिमान हो लेकिन इसके मानेर मंचनदेना या चेतना न हो।
- 5) AJ रूपरेखम् ना उन लोगों द्वारा दृष्टिकोण लिया जा पड़ता है जो इसमें लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। उदाहरण - एवाइ जहाज में बंदूक ले जाने के दृष्टिकोण अपराधी मशीन विणन मिस्टरम् में लूपदोल दृढ़कर मुटियों ना लाभ उठा पड़ते हैं।

(13)



(19)

नमस्तामायिन् मुद्दाः - कृत्पेन रघिक्ष

मुद्दे वा माधारः: लोकसभा चुनाव 2019 के लिए चुनाव अभियानों की शुरुआत के साथ ही, निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव अभियानों के द्वारा आदर्श आचार मंदिता (MCC) के उल्लंघन में संबंधित कई शिकायतें दर्ज भी गई हैं।

संभावित पूछनः: चुनाव अभियानों के संदर्भ में आदर्श आचार मंदिता का उल्लंघन क्या सामान्य राजनीतिक परिघटना बन गयी है। इसकी नेतृत्वता वा परीक्षण कीजिए? राजनीतिक अभियानों ने संबंधित विभिन्न नेतृत्व मुद्दों वा परीक्षण कीजिए?

चुनाव अभियानों के संदर्भ में → **आदर्श आचार मंदिता**

नागरिकों, राजनेताओं रखे संबंधित अधिकारियों वा -यायपरक्त आयोग अपनाने की मार्गदर्शित नियमावली

उल्लंघन ले संबंधित नेतृत्व मुद्दे

छिपी विशेष उम्मीदवार के पक्ष में पेट-यज्ञ या विज्ञापन के साथ साथ स्थान-स्थान अंतिक्ष हैं।

'माद्य', माध्यन के और नियम वा नियम उत्तराधि, इस तथ्य की ज्ञेयता उत्तरा

मतदाताओं वा आर्थिक रूप में संभावित उत्तरा तथा चुनावी अनुष्ठान को बढ़ावा

उन्नेतिक चुनावी अभियान लोगों के सद्य सरकार के संबंध में नियशावधि और नकारात्मक आवाजाओं वा विवित उत्तरों

परिणाम → मुशासन के समक्ष राज्य वा राज्य के रूप में धार्य करना

⑬ राजनीति मणियानों में संबंधित नैतिक मुद्दे :-

- 1) तंचार और विज्ञापन का दुर्घयोग
 - चुनावी मणियानों में विरोधी पार्टी के रिवालफ अभ्रह टिप्पणी
 - प्रतिक्रिया के निजी जीवन के मानसों को शामिल छरना
 - 'पुल पोल' का गलत उपयोग छरना।
- 2) संतानविष्टा का सनातन
 - 'ममीक्षारों' हारा चुनावी व्यव सीमा को समाप्त छरने हेतु प्रमाचार (पेट-यज्ञ) के रूप में अपने पक्ष में प्रचार छरना
 - चुनावी वित्त की पहुंच का समान न होना
- 3) चयान की त्वंतंत्रता को बाधित छरना
 - मतदाता को धारा / सामग्री का लोअर देशर छिपी विशेष इल के पक्ष में मतदाता छरने हेतु बाध्य छरना।
 - मुक्त में सामान बांटने की मो-ज्ञति (निःशुल्क विद्युत, ग्रांम साफी, लैपटॉप इत्यादि)
- 4) चुनावी घोषणा पत्र का उल्लंघन
 - में छिपे गये वादों के प्रति भवावदेह न होना
 - आदर्श भाचार परंपरा का भवित्वांशतः उल्लंघन होना

उपर्युक्त नैतिक मुद्दों के समाधान हेतु निम्नलिखित साध्यरणीति अपनायँ जाने की मावश्यकता है -

- 1) दितो के संघर्ष से बचना तथा पत्री इलों के पाथ उचित स्वयंपाक छरना।
- 2) EVMs की रक्की-रक्की से लेकर EVMs की निष्पत्ता की जांच तक तथा EVMs के बूथवार आवंटन से लेकर वोटों की गिनती और परिणामों की घोषणा तक निर्वाचन संबंधी पत्री लायों को पारदर्शी होना चाहिए।

- ३) सत्यनिष्ठा; जग निर्वाचन घरातक औं प्रसपातकी समर्थन औं विनोद
स्थापित करने हेतु अपने पद या व्यक्तिगत प्रोत्साहन मीडिया
रवातों औं उपयोग नहीं करता चाहिए।
- ४) निष्पक्षता स्थापित करने हेतु निर्वाचन घरातकों नो निर्णय लेने
में स्वर्ग समुदाय के पश्ची दिक्षारणों में पंचक श्वापित बरता चाहिए।
- ५) साधा रखें आध्य की पवित्रता औं धारण करता।
- ६) मंविदान की उद्दिश्यज्ञ रखें लोकतांत्रिक मिकांतो के द्वारा निष्ठा।
- ७) क्रितीय घरातकी मुदार जापोग ने बोहतर चुनाव व्यक्तियों के लिये
निमतिविकास प्रसाव दिये हैं जिन्हें लागव किया जाता चाहिए।
जैसे - उम्मीदवारों छारा निर्णी जानकारियों का धरा
ब्योरा देगा
चुनाव में अतिशय रवर्च जो रोकने हेतु
'प्रांदिक राजनीष' की व्यवस्था
लोक घरितिहित अधिनियम (१९६१) में मुदार
कर जधय अपनायों में पंचांधित पश्ची लोगों
को अयोग्य ठहरागा। - - इत्यादि।

- (ii) मनविल लेवा मूल्यो (सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, जवाबदेहिता, पारदर्शिता⁽¹⁷⁾ आदि) का पिछाम सुनिश्चित उत्तर।
- (iii) हितीय पृश्नामनिकु मुद्दार् मायोग क्षारा रक्षायी गयी मनविल मानार् प्रंदिता का अनुपातन।
- (iv) राधन रखे जाएये जी परिज्ञता को धारण उत्तर।
- (v) मंविधान जी उद्देशियज्ञ के षष्ठि निष्ठा आव।
- (vi) 'आवात्मक मनस' के पिशास हेतु घृशिलाण दिया जाना।

समर्तामाधिक मुद्दाः रवेलो मे नैतिकता

(18)

अंभावित प्रश्नः रिवाइडिंग का आचरण छात्र के वर्षों में निरामय
उपलब्धियों के कारण चर्चा में स्थित रहा है, इस संदर्भ में रवेलो
में नैतिकता की स्थापना के प्रमुख पट्टुओं को वर्णित कीजिए?

(रिवाइडिंग के आचरण में बंधी निरामय पक्ष)

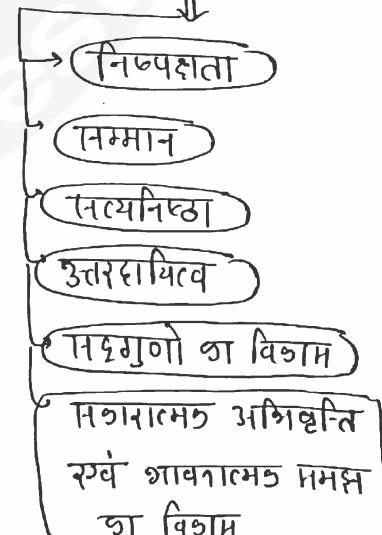
समानता और निष्पक्षता,

-यायप्रणी व्यवहार (फेयर प्ले)
के मिसांत का पालन न करना

- उदाह - कुशती या सुकछेवानी में
स्त्रिहेदी को विभित्ति करा
या गलत तरीके से व्यवहार करा
- फुटबाल में पेनाल्टी प्लाज्ट करने
के लिये जानवृत्ति गिरना
- श्रिंगर बॉल में ट्रैक्टर (2010 में डु प्लेमिट
क्रिकेट में ट्वेनिंग
(रुड रिवाइडी द्वारा स्त्रिहेदी रिवाइडी को
उपमानित करना)

सुधार हेतु

नैतिकता के
विभिन्न पट्टुओं
की स्थापना



⑯ रवेलो में नैतिकता के उपर्युक्त पदलुओं और निम्नलिखित छन्दों से संचापित किया जा सकता है -

1) **निष्पक्षता**

→ जाशी जो संचापित नियमों और पालन उरना चाहिए
नस्तु, लिंग या योनि अधिग्रन्थता के आधार पर कोई
जोशभाव नहीं होना चाहिए
→ रेफरी जो परिणाम घोषित भरते समय व्यक्तिगत
टिकों में घोषित नहीं होना चाहिए।

2) **सम्मान** → राष्ट्रलीटों और जोश जो टीम के प्रदल्यों, प्रतिक्रियों
और अधिग्राहियों के स्वति सभा सम्मान व्यक्त
करता चाहिए।

3) **सत्यनिष्ठा** → राष्ट्रलीटों जो अपने स्वतिकृष्टी के साथ गलत
व्यवहार के स्वरा से बचना चाहिए।
उदाहरण - पुरुषोंमें चोट लगने का बहाना। यह
व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा जो कुम उरता है।

4) **उत्तरदायित्व** → रिवाइट जोश जो उनके प्रदर्शन, रवेल के
प्रैंदान पर भी जाने वाली कार्रवाई तथा अपनी
शावावेश के लिए उत्तरदायी होना चाहिए

5) **सद्गुणों का विचार** → रिवाइटों में साधन, -याय, त्याग, संयम
जैसे सद्गुणों का पूर्णाङ्ग स्वरूप विचार किया जाना
चाहिए।

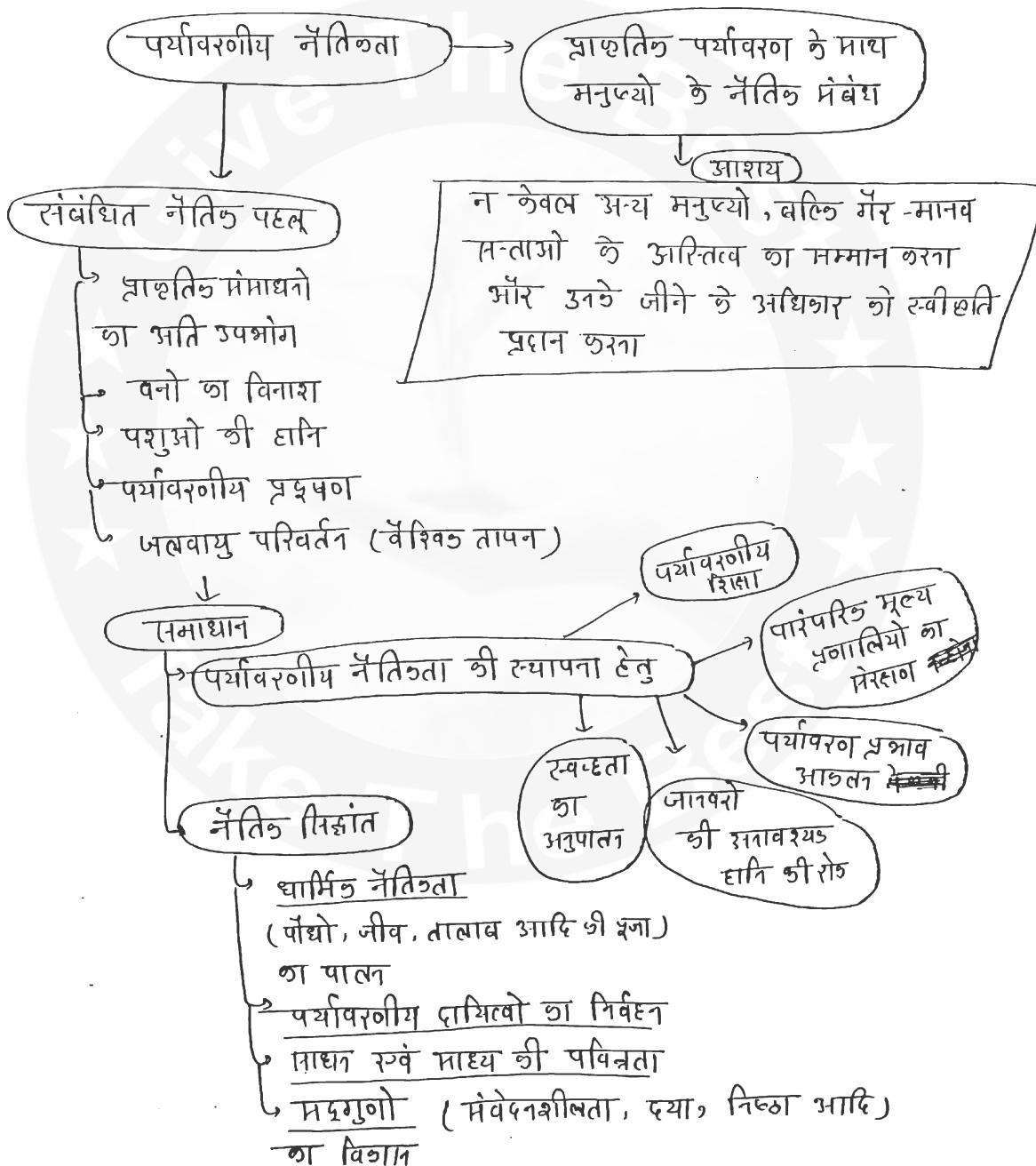
6) **ज्ञानात्मक अभिवृत्ति रखने
आवानात्मक समझ विकासित उरना** → रवेल त्रिशिलों स्वं छारा रिवाइटों
जो आनंदीप्रैंतिक-पार्श्विक विचारों
के प्रलयों के स्वति जागरूक भर।

‘ज्ञोलंपित रवेलों के संस्थापक पियरे के लोवेटिन ने सत्य उदाया कि -
‘ज्ञोलंपित रवेलों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण चीज जीत द्वाप्त उरना नहीं है बल्कि इसमें आग
लेना है; जीवन में जीतना नहीं बल्कि मरणी तरह से संघर्ष करना महत्वपूर्ण है।’

रामसामायिक मुद्दा : पर्यावरणीय नैतिकता

(20)

निर्भावित प्रश्न :- पर्यावरणीय नैतिकता क्या है? इसमें संबंधित नैतिकता के प्रमुख पहलुओं को वर्णित कीजिए तथा इनके समाधान क्या विधि सुझाइए?



(21) उपर्युक्त पर्यावरणीय नैतिकता मेंबंधी विभिन्न पदलुओं जो निम्नलिखित सुनारे से समझने का प्रयास किया जा सकता है-

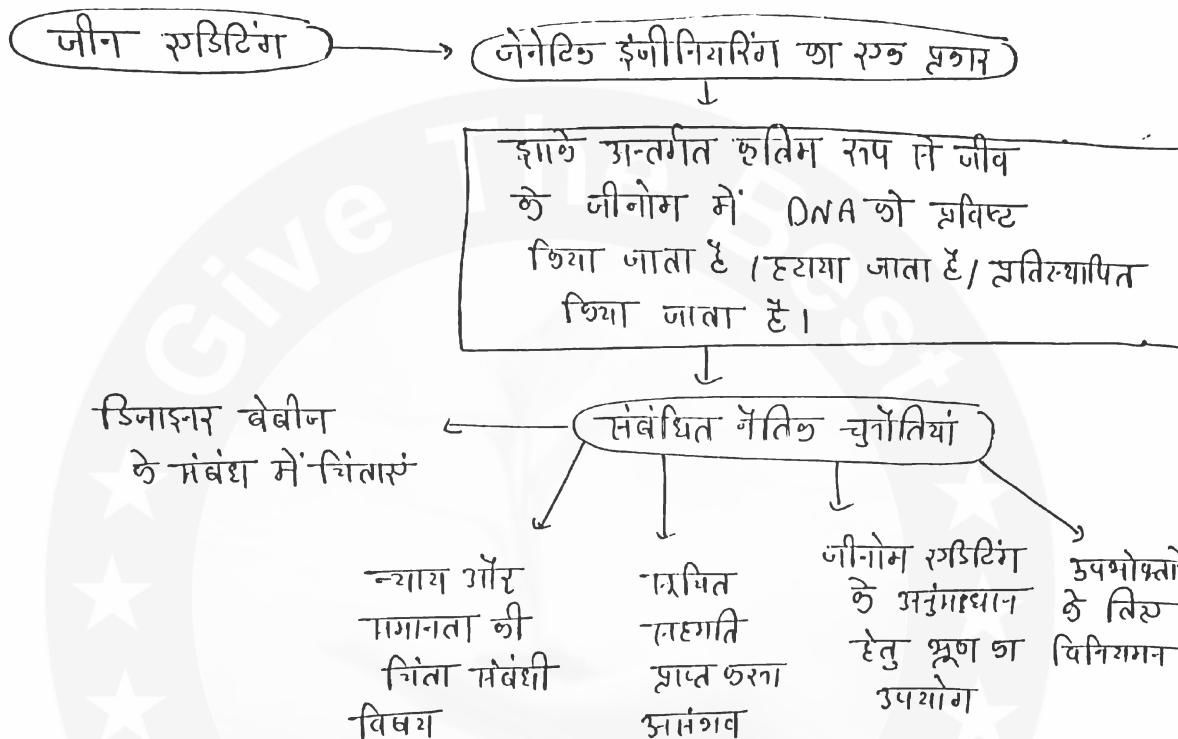
- 1) प्राकृति के माध्यम से समाधानों का अतिशय द्वेष जिसमें ज्ञापद्म, मेंबंधी विभिन्न समस्याएँ (धारा, प्रवाह, चक्रवात इत्यादि), भूर्खला की प्रस्थिया (भारतीय और ब्रिटिश दर्वेशग), जल संकट सादि संकट पर्यावरण रखने साथ साथ के लिये गंभीर संकट उत्पन्न करते हैं।
- 2) वनों का विनाश रखने वाले तथा पशुओं में परीक्षण ग्रादि के कारण पशुओं की हानि जैव विविधता के समझ संकट उत्पन्न किया है जैसा कि वर्ण वाइक फंड फार्म नेचर की रिपोर्ट में कहा गया है।
- 3) गैरिक धारा गैरों का बना उत्तर्जन ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों जो उत्पन्न कर रहा। विश्व मौसम विज्ञान मंगठा के सुनारे वायुमण्डल में घृष्णक तत्वों (CO_2 , CH_4 , N_2O ग्रादि) का उच्च ल्तर विद्यमान है।

समाधान हेतु निम्नलिखित राणीति अपनाएं जाने की जावश्वता है-

- 1) धार्मिक नैतिक सिफारिशों को लागू करना जिसमें पौधों, जानवरों, नदियों रखने वालों ग्रादि की देवता के स्तरीय सानकर इन जाती हैं।
- 2) पारिवारिक चेतना का विभास जिसमें लुह बुनियादी उत्पादन शामिल होते हैं, जैसे-
 - पृथ्वी पर मानव और गैर - मानव जीवन, दोनों का अतिरिक्त ग्रल्य होता है
 - जीवन रूपों की समृद्धता और विविधता इन ग्रल्यों की स्थापित में योगदान करती है। -- इत्यादि
- 3) सद्गुणों; सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता, प्रादृष्ट, निष्ठा, जीयम्, याय ग्रादि ग्रल्यों का विभास करना।
- 4) प्राकृति के माध्यम से - यायोग्यता प्रयोग, जानवरों के पर्यावरणीय अधिकार को लागू करना, पर्यावरण विकास को बढ़ावा, और पर्यावरण प्रश्नाय जाता

— समाजागायित्र मुहः जीन रसिटिंग नंबंधी चुरसा रहते नीतिशास्त्र ११

— संभावित प्रश्नः जीन रसिटिंग नई वैज्ञानिक परिवाला हैं। इसके संबंधित नेतित्र चुनौतियों को बर्खत करते हुए इसे लाभ बताइए?



— उपर्युक्त चुनौतियों को गिनतिरिक्त उदाहरणों के माध्यम से समझ सकते हैं—

- 1) मानव अर्थ की इंजीनियरिंग डिजाइनर बेबीजन की संभावना को बढ़ावगी, और मेडिकल वार्गों के विपरीत सामाजिक छारणों के लिए अर्थ अर्थ में परिवर्तन जी मंजावनाएँ यह सकती हैं। जैसे बोडिक्रिएशन या त्रांस्फोर्मेशन में वृद्धि हेतु अर्थ में जीन परिवर्तन
- 2) जीनोम रसिटिंग केवल समृद्ध लोगों के लिए ही सुखभ दोगी अतः यह (जल्दीप्रिय बुद्धिमत्ता / असाधारण सुरक्षा) रुक्ष विशिष्ट व्यक्तियों के लिए निर्गम भर सकती है, जिसके सामाजिक असमानता को बढ़ावा दिलेगा।

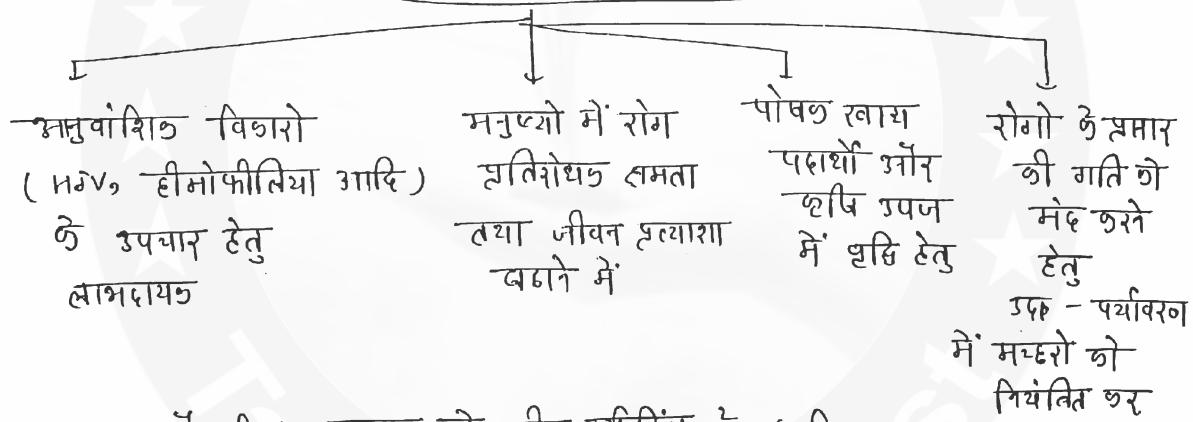
(23)

उ) आलोचको छा माना है कि जीन रुडिटिंग हेतु स्वयंत्र महमति
पूर्ण उरा असंभव है क्योंकि रुडिटिंग से पृष्ठावित रोगी 'भूग'
जौर 'आवी पीड़ियाँ' हैं। यह परीक्षण मनुष्य को माध्य मानने
के रूपान् पर माध्यम साधन माना होगा, जो कि छोटे के
नेतृत्व मिलान्ते' का उल्लंघन है।

ग) इसी पूर्ण अनुसंधान के लिये मानव भूग छा उपयोग करने
पर नेतृत्व जौर धार्मिक आपत्तियाँ व्यक्त की गयी हैं।

चालांगि जीन रुडिटिंग के कई समर्थकों ने उपयोगितावादी निर्णायकों
के आदार पर इसके उपयोग को उचित माना है तथा इनके बाबो
को चिह्नित किया है -

जीन रुडिटिंग के लाभ



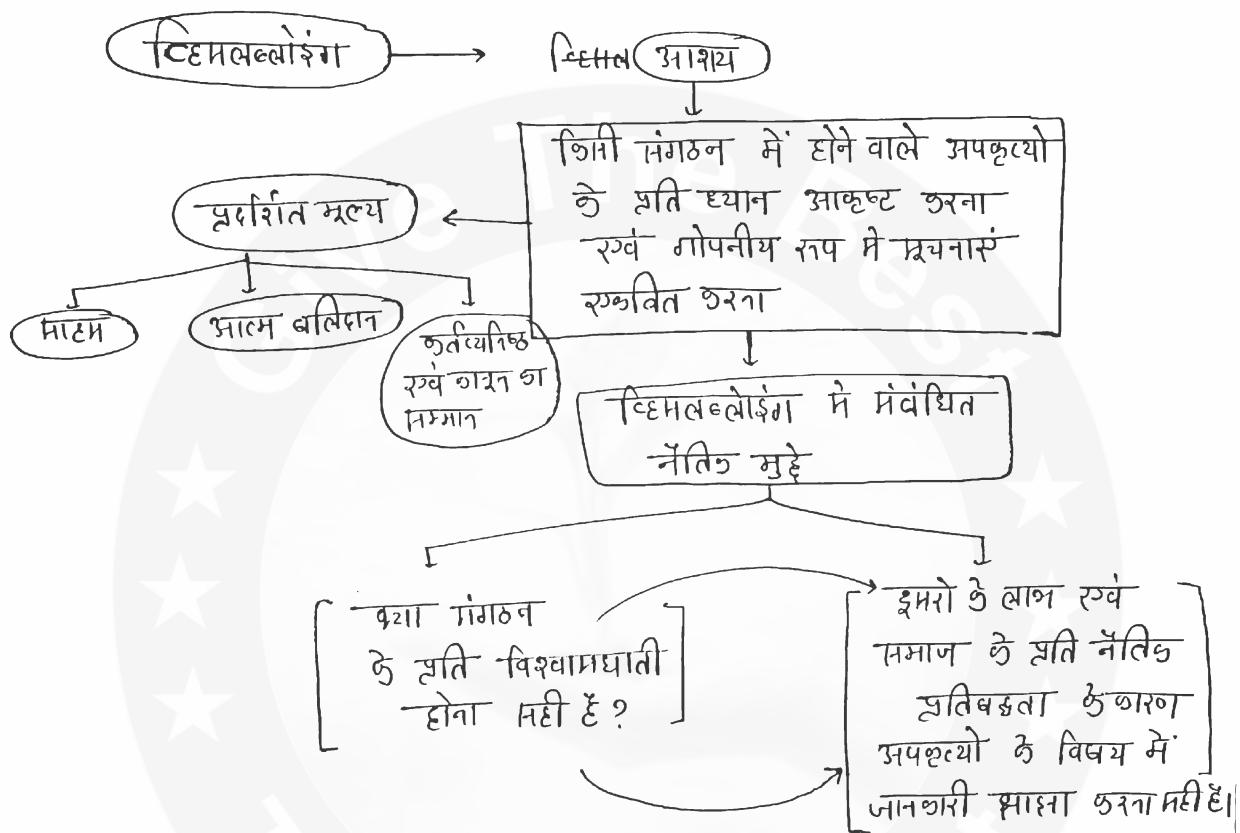
अतः वैज्ञानिक समृद्धि जो जीन रुडिटिंग के 'उचित'
जौर 'अनुचित' उपचारों के मध्य अंतर हेतु निम्नलिखित मंबंध में
निर्णायकों द्वारा पृष्ठावित उरा नाहिए -

मानव उल्यान रखने रूपान्तर द्वारा प्रोत्तमादित उरने हेतु
संबंधित सभी पूर्ण ली पृथ्यनाओं व जानशारियों को
रूपेष्ट रूप में उजागर करना
उत्तरप्राधित्वप्रणीति विज्ञान तथा व्यक्तियों का सम्मान
अनुसंधान मनुसंधान के लाभ रखने द्वारा व्यापक रूप
में सभी लोगों के लिये समान रूप में मुलाकू होने।

—समलामाधित् भुक्षाः विद्यतव्योऽग्नं एति नैतिक आधार

ef

निशाचित त्रैशनः टिक्किल्पलोइंग क्या है? यह जिस पूजार् नेतिष्ठता की दृष्टि से विचारणीय है?



ਪਿਸਲਾਲ ਭਲੋਂਝਾ ਸੇ ਸ਼ਬਦਿਤ ਨੈਤਿਕ ਸੁਹੱਦੇ ਕੇ ਇਸਨੇ ਵਰਗਾਮੀ ਪ੍ਰਭਾਵੇ
ਕੁ ਸਾਡਿਆਂ ਸੇ ਤੁਲਸਾਧਾ ਪਾ ਪਣਤਾ ਹੈ -

- 1) यह प्रमाण तथा प्रेगण के अन्य प्रदर्शनों में भी इस प्रकार
के उत्तरदायित्व वाला उत्पन्न कर सकता है।

2) व्यापार और नेतृत्व वा प्रयोजन दीर्घावधि में संगठन के
लाभ और स्वतिष्ठा वा संरक्षण करता है।

3) यह विधि के शामन को बलवा देता है जौन रुडवर्ड रनोडेन
द्वारा किये गये रुद्दर्शनोदाटन जैसे मामलों में निजता के संरक्षण
पर लोकतंत्र की वास्तविक भावना का संरक्षण करने की दृष्टि में महत्वर्पन है।

(iii) दालोंगि लोक मेवडे हारा की जाने वाली विद्युत ब्लॉइंग, माध्यम संबंधी नियमों का उल्लंघन एवं लोक सेवण से अपने अपेक्षित गोपनीयता के मिळांते का उल्लंघन करती है तथापि इसमें उद्ध मूल्यों की रक्षा भी होती है। यथा-

- 1) सत्यनिष्ठा - अपकृत्यों को स्कट कर मंगड़न की रक्षा करा
- 2) जनता का विश्वास प्रौद्योगिकी वैधता - संविधान एवं कानून की रक्षा करते हैं।
- 3) निष्पक्षता - नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करते हुए निष्पक्ष व्यवहारी
- 4) पारदर्शिता - अपनी गतिविधियों के विषय में जनता के स्वति निष्पक्ष बने रहते हैं।
- 5) जवाबदेही - जनता के स्वति।

अतः आवश्यक है कि लोक सेवणे हारा मार्वजनिक रूप में दिये गये वक्तव्य रचनात्मक गालोचना पर आधारित हो तथ रेता केवल तभी छिया जाना चाहिए जब समर्था समाधान के लिये संशव तभी व्यवस्थाओं का प्रयोग छिया जा चुका हो। लोक सेवणे हारा विद्युत ब्लॉइंग को केवल तभी नेतिकृत होना चाहता है जब यह प्रदी प्रशिपा एवं उचित नेतिकृत प्रयोजनों पर आधारित हो।

समसामाजिक मुद्दों नियता मेंबंधी नैतिकता

(26)

सुहे ता जाधारः भारत में न्यायालय के निर्णय के बाद नियता ता अधिकार, मौतिक अधिकार के रूप में उभरा है जिसने नियता की अवधारणा तो समझना जावरयता बना दिया है।

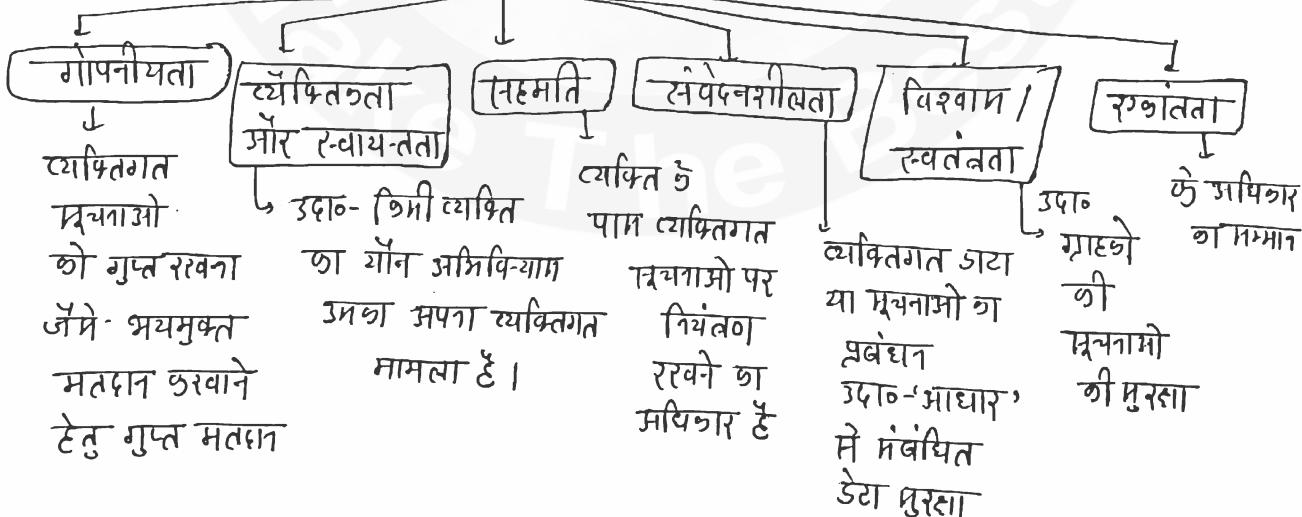
मंभावित पृश्नः नियता मेंबंधी नैतिकता क्या है? इसमें संबंधित नैतिकता के प्रमुख पक्षोंमें को वर्णित छीनिय तथा इसके समाधान शियाविधि मुझाइः?

नियता मेंबंधी नैतिकता

↓
आवाय

रण - इसमें के अधिकारों होते ता
सम्मान उता भौर शियी इसमें व्यक्ति
की प्रतिक्षित रक्षा उता। इसमें
व्यक्तियों के दाय-साथ संगठन भी शामिल हैं

नियता से संबंधित नैतिक पद्धति



(21)

दालांडि बड़ी माला में मांडडों के प्रयोग से पश्चीमी ओलाभ हो सकता है, जैसे - वैशानिक परीक्षणों में प्रबंधित आडडों को छुल दरा। इसी सूचर नागरिकों से जंबंधित मांडडों को रजिस्ट्रेशन करके सरकार सूचनाओं के स्थिर समाज में अवास के तर्फ पर नजर रखना चाहीदा है। दालांडि प्राधुरिक दमय में इंटरनेट और डिजिटल विशेषकर सोशल मीडिया ने निजता के प्रभास चुनौतियों को बढ़ावा दिया है।

1) समस्याएँ इन दिशाएँ में अनियन्त्रित प्रभावों राखीति सपायी जा रही हैं-

1) निजता प्रबंधी मानडडों को धनियालित दरा तथा निजी कृपनियों द्वारा प्रबंधित सूचनाओं के उपयोग करने में दोष।

2) साधा क्षेत्र प्रभाव की परिक्षता को धारण किये हुए उसे हुए 'व्यक्ति', जो न उपलब्ध साधा प्रभास जाए बल्कि 'साधा' रूप में स्वीकार किया जाए।

3) निजता प्रबंधी नैतिकता को ल्यापित करने के लिये code of ethics (नैतिक समाज परिवर्तन) का अनुपालन दरा।

4) दोनों विद्यालय व्यक्ति को गरिमामय जीवन जीने का अधिकार सुरक्षा दरा है भरती संवेदनिक समिक्षारों जी इसे सुनिश्चित दरा।

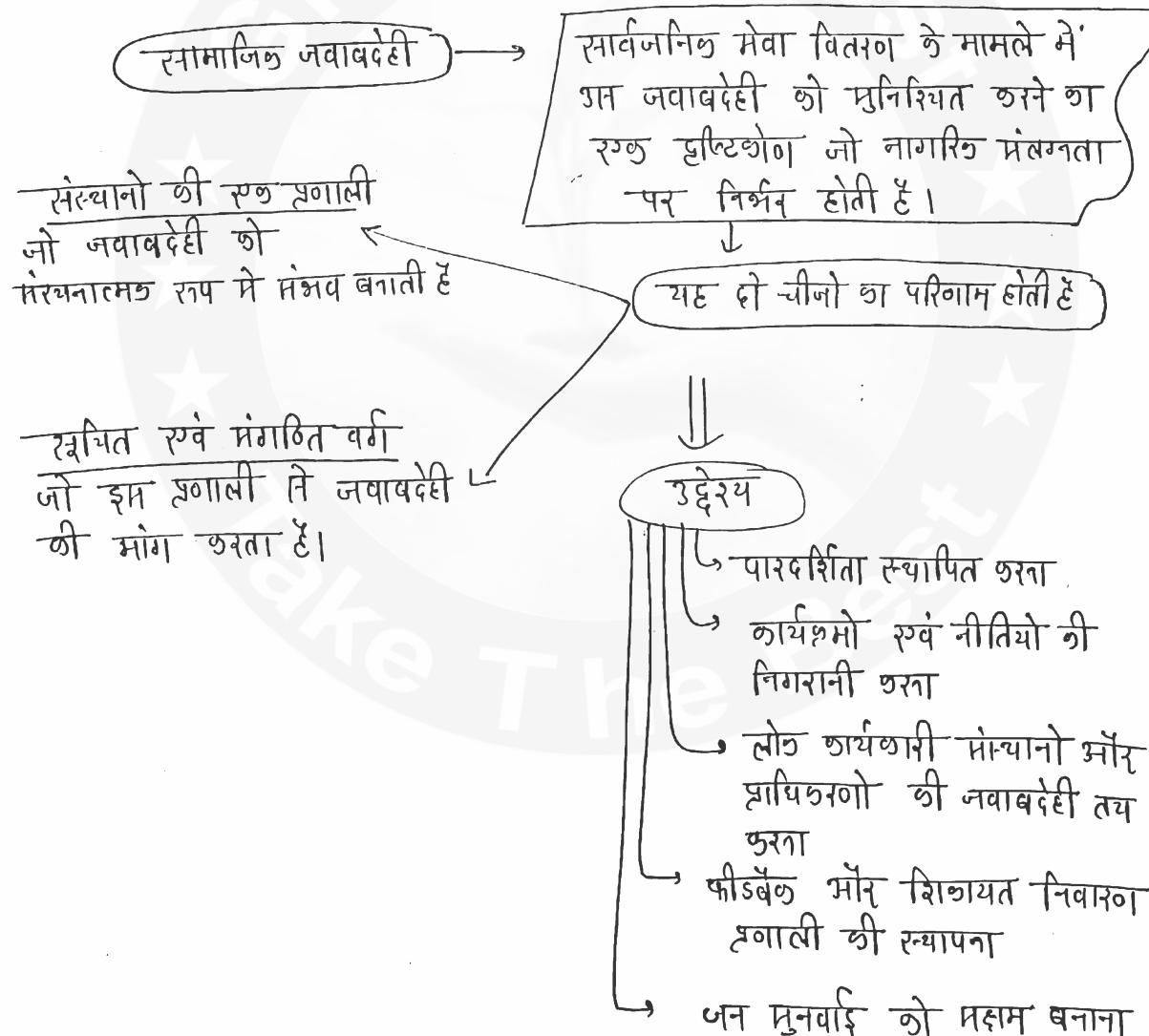
5) निजी क्षेत्र सार्वजनिक कृपनियों द्वारा व्यक्तियों के निजी जाय और उपयोग के द्वारा हेतु व्यापक मानडडों का विभाग

समसामान्य मुद्रा : सामाजिक जवाबदेही

(१४)

~~संभावित तत्व मुद्रे का आधार :~~ हाल ही में, बाजार चान तरकार मारा
सामाजिक जवाबदेही पर कानून बनाने की तकिया की छुराआत
की गई है।

संभावित तत्व : सामाजिक जवाबदेही क्या है? इसके उद्देश्य तथा
इसके समस्याएँ तथा उनको बताते हुए इस तथ्य का परीक्षण कीजिए
कि अभिवृत्ति परिवर्तन के द्वारा कैसे सामाजिक जवाबदेही को
मुनिशित किया जा सकता है?



(2)

चुनौतियाँ

सुधारों के लक्षि व्यविरोध
जौर प्रयोजन वा जोरिकम
 जैसे - नॉकरशाही द्वारा आलड़ों
 को ब्लॉक न करना या
सामाजिक अंकेशण के मन्त्रालय
 को बाधित करने के उद्देश्य से
अपर्याप्त जानकारी प्रदान करना।

गौर परबरी
 संगठनों (NGOs) गौर
 परबरी लंगेसियों के
 मध्य सांछगांठ

अपर्याप्त
 अवांखना
 जैसे - जन सुनार्थी के
 लिये रचान और
 इनकी विवेदन
 को उद्देश्य से
 डिजिटल कोकिलियों
 द्वारा अभाव
 कुशल शर्यबल
 की मुश्किलियत इत्यादि

अधिवृति परिवर्तन के माध्यम से निम्नलिखित

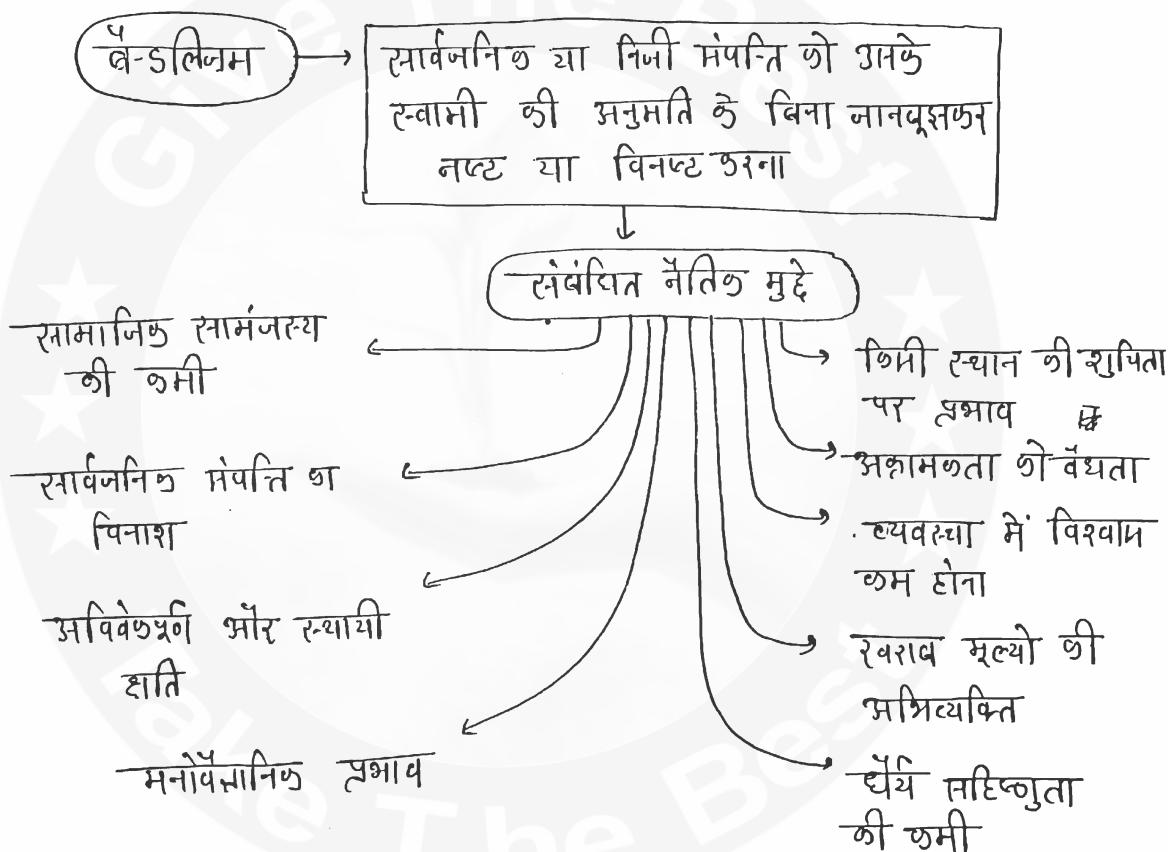
उपर दो सामाजिक जवाबदेही मुनिशियत भी जारी हैं -

- 1) सामाजिक अंकेशण की प्रक्रिया के अंतर्गत में लोगों द्वारा समुदाय माधारित संगठनों द्वारा प्रशिक्षित करना।
- 2) सार्वजनिक सेवाओं के वितरण में संलग्न प्रत्येक लोग क्षमितारण को मिटीजा चार्टर द्वारा बुनारान जौर अनुपालन करना।
- 3) पेचायत द्वारा निविल प्रोटोकॉल द्वारा नितार दम्य-दम्य पर प्रोग्रामों द्वारा आयोजित किया जाना चाहिए।
- 4) निविल ग्रेडों में बुनियादी मूल्यों (सत्याग्रह, अव्याजवादेदिता, निष्पक्षता, पारदर्शिता आदि) द्वारा निश्चियत कर।
- 5) परिवार, स्थल जौर समाज द्वारा बुनियादी मूल्यों (-याय, परोपकार, ट्रांस जौर) का विभान्न मुनिशियत कर।

समाजानायित मुद्दों - नीतिशास्त्र रखे (बै-डिलिज़िम) 30

संभावित प्रश्नः यिनी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा यिनी सार्वजनिक या निजी संपत्ति को उनके स्वामी की अनुमति के बिना जानवृक्षजर नष्ट या विनष्ट करा लहो तक नैतिक है? इसमें यिनी पूछार के नैतिक गुदे भाप देव मिलते हैं?

Answer -



उपर्युक्त नैतिक मुद्दों का विश्लेषण तांत्रिक दोगा -

- इस पूछार की घटनाएँ (बै-डिलिज़िम) सामाजिक सामर्जन्य में छमी उत्पन्न छति हैं, जैसे सम्बेद्य, पेरियार जैसे नेताओं की मृति जो नष्ट करना, बाबरी मस्जिद विध्वंस जैसी घटनाएँ समाज को जाति व धर्म के आधारों पर विभाजित छति हैं।

(३) २) बैंडिज़म के कृत्यों के कारण सामान्यतः सार्वजनिक संपत्ति के अधिक नुजान पहुंचता है। इसके कारण परोक्ष रूप में उरक्षतामो के कुछ दृष्टि की क्षमता होती है।

३) इस बैंडिज़म के कृत्य स्थायी क्षमता को जन्म देते हैं, जैसे; आठ मारसण भांदोलन ने समग्र व्यवस्था को छह दिनों तक पंगु बना दिया था।

४) उत्तम नियंत्रण, महिलाओं, बच्चों और जन्य पूर्वावधि लोगों पर मनोवैज्ञानिक पूर्वावधि पहुंचता है, जैसे - प्रथमावती फ़िल्म को लेकर थिये गये विरोध प्रदर्शनों ने स्थूल जाने वाले बच्चों के सर्वोदय संरक्षित में गलत पूर्वावधि डाला।

५) बैंडिज़म के कारण बहुमूल्य कला और कला रूपों का विनाश हो पहुंचता है। यह साचीन महिलेश्वरों की कलात्मक सौ-धर्यता को हानि पहुंचाता है और रमारणों को स्थायी रूप में नष्ट करता है।
उदाहरण - रमारणों की दीवानों पर लिखना, मूर्तियों को नष्ट करना, तम्बाकू पशांतों को छुकना इत्यादि।

६) इसी बैंडिज़म जन्य नेतृत्व मुद्दे जैसे - स्त्री कृत्यों में सजा नहीं हो सकती, लोगों का व्यवस्था में विश्वास कम होने लगता है, धर्य की कमी जैसे गलत मूल्यों का प्रदर्शन इत्यादि।

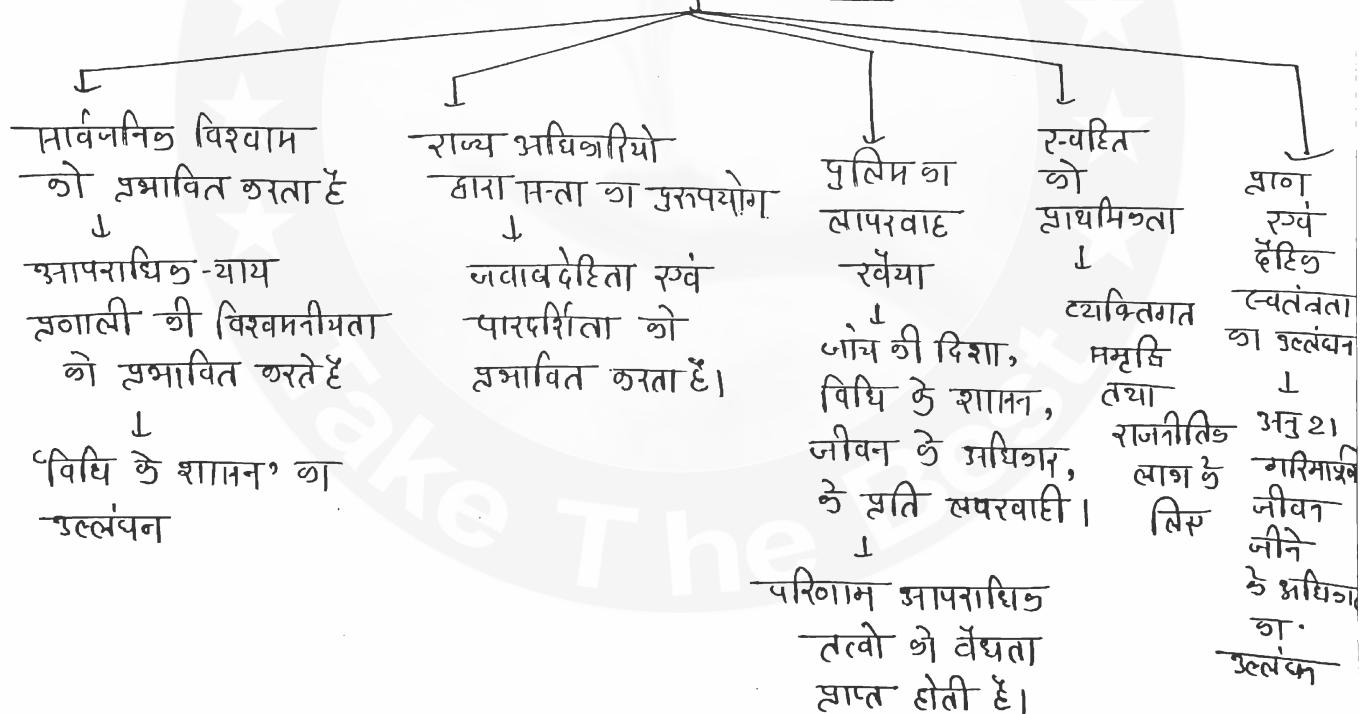
अतः इसी भी बैंडिज़म ने या वैध वारणों में सार्वजनिक नियी नियंत्रित को उसके स्वामी की जनुमति के बिना विनष्ट करना सही नहीं है क्योंकि यह याधिक स्त्रावियों और मनोवैज्ञानिक-स्वावरण में विश्वास की उमी, प्रवैज्ञानिक मनोवृत्ति तथा विश्वास के स्तर अलाद़ की भावना को पूर्वावधि करता है। अतः आवश्यक है कि इसी मनोवृत्तियों को परिवर्तित करने का स्वायाम किया जाए साथ ही आवनात्मक समस्त के माध्यम में लोगों को स्त्री कृत्यों में निमिलित न होने के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए।

—लगतामाधित् गुहाৎ रुनकाउत् ने छोने वाली मांते झोर
—नैतिकता

संशानित पृष्ठन : रग्नाउंटर में होने वाली मृत्यु ने शामिल नैतिक मुद्दों को स्पष्ट भरते हुए यह बताइया कि क्या रग्नाउंटर अपराध की मानोवृत्ति को बदलने की दृष्टि से प्रभावी सावित होगे ?

॥ ‘वर्ल्ड जरिट्स बॉनेकट इंडिया’, ‘राज मॉक लॉ इंडिया’ जैसे अंतर्राष्ट्रीय इंडिया भारत की निवात् रेनिंग नो पृष्ठरिति हैं करते हैं जिसमें अनेह लारणों में रुनकाउटर से होने वाली मृत्यु के बहते मामले भी शामिल हैं। जैसे- उत्तर पूर्व में बहते रुनकाउंट्यो आमंत्रान लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार प्रायोग ने राज्य परशार नो नोटिस जारी किया।

ਇਸ ਪ੍ਰਗਤ ਦੀ ਮੌਜੂਦਾ ਮੇਂ ਅਨੇਕ ਅੱਤੇਤਿਹਾਸਿਕ ਸੁਫ਼ੇ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੈ -



इसी सुधार कुह मन्य नेतिः सुद्दे जैसे- अ-याय भी भावना ला बन लेना,
जराणा रवं प्रदानुभूति भी उसी, व्यक्तिगत निशोध भी भावना, गैरवानुनी
माध्यो ला सूचोग इत्यादि)

(3)

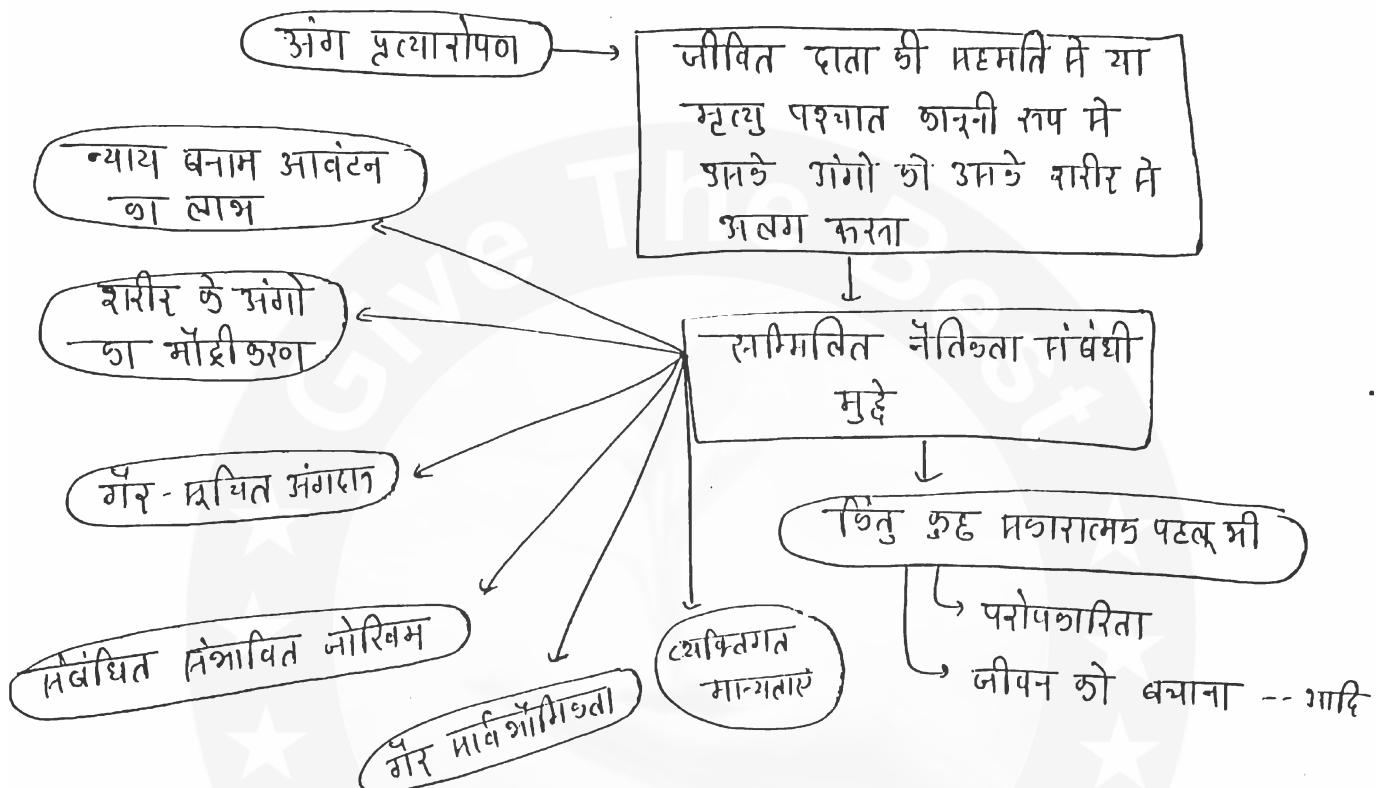
इस सूत्रान् रणजाइंटर की बहती घटनाएँ अपराध की मनोवृत्ति जो पूर्णतः दबम उन्हें में सूचावी नहीं हो सकती। योग्यि विधि वा शासन निष्पटतम् अपराधी सहित सूत्रेषु व्यक्ति जो मानवाधिकारों और उचित सूक्ष्मियाओं के पालन का अधिग्रह उपाय उत्पन्न करता है। यद्यपि सर्वजनिक सुरक्षा और दामाजिक उत्तरान् रखने व्यवस्था की नैतिकता हेतु भभी-बभी दिसंभ अपराधों के आदतन अपराधियों के तीव्र निराकरण जी आवश्यकता होती है तिन्हुं पुलिस पर्देव इन विकल्पों ऊ उत्तराना नहीं ले सकती। अतः आवश्यक उपाय लागू किये जाने चाहिए -

- 1) आधारभूत मानव मूल्यों (सहिंगुता, संयम, साक्षम, -याय जाहि) जो प्रमाणित उरने के लिए पुलिस प्रशिक्षण को पुनर्गठित उरता।
- 2) संवेद्यानिक उत्तराधिक्षियत्व नियम के अनुआर नियम जाचरण उरता।
- 3) गांधीवादी मूल्यों (अदिंदा, सत्य जाहि) जो धारण उरता।
- 4) उपयोगितावादी दर्शन जो पुनर्सुधार तथा प्रामाजिक लागो में विश्वास उत्तराहै, लागू किया जाना चाहिए
- 5) 'विधि के शासन' की गतिना जो बनास रखता।

संभावित मुद्दा : नीतिशालि और उंगड़ान

(31)

संभावित पूछना :- जो इत्यारोपण में नामित नेतृत्व के विभिन्न मुद्दों को स्पष्ट करते हुए जो इति नीति ना परीक्षण कीजिए?



अंग प्रत्यारोपण में जो नेतृत्व संबंधी मुद्दों को शामिल किया जाता है -

- 1) नेतृत्व दुविदा की प्रमाण्यता जैसे जो पहले लिये जाने चाहिए ? उसे दिया जाना चाहिए जो प्रबन्ध अधिकारी वीमार है या जो लेखे समय में इंतजार कर रहा है।
- 2) मौद्रिक भावश्यकताओं के लिये अंग वा विक्रय वर्तनुतः नेतृत्व के दाध-माध्य गरीबों के शोषण से संबंधित चिंताओं को उजागर करता है, जैसे; ईवान जैसे देशों में किसी रखीदना कानूनी रूप में वैध है।

- (५) ३) अंगों की तरक्की से संबंधित धरणाएँ दाता भी प्रभित सहमति से जुड़े मुद्दे को उठाते हैं।
- ४) कभी-जभी दाताओं ने संभावित जोरिकियों में वडे वाले पूछावों का ज्ञान नहीं होता जिसमें दाता को शारीरिक दाति भा जागा उरना पड़ता है।
- ५) अंग रखे जाते प्रायारोपण से संबंधित हॉयोगिकी का विभास रखे उपयोग नाफी महंगा होता है तथा कई लोगों की आधिक पहुंच में बाहर है परिणामतः जारीशोभिता का जनावर।

उपर्युक्त नोटिक मुद्दे के बावजूद अंगदान के अनेक मञ्चानामेन पहलू भी हैं-

- (1) परोपकारिता ; अंगदान उरना इसरों को मूल्यवान वस्तु पूछने करने का रक्त निस्खारी गर्थ है।
- 2) जीवन को बचाना ; मृत या मृत्युजाकित में प्राप्तकर्ता को करनया जीवनदान प्राप्त होता है।

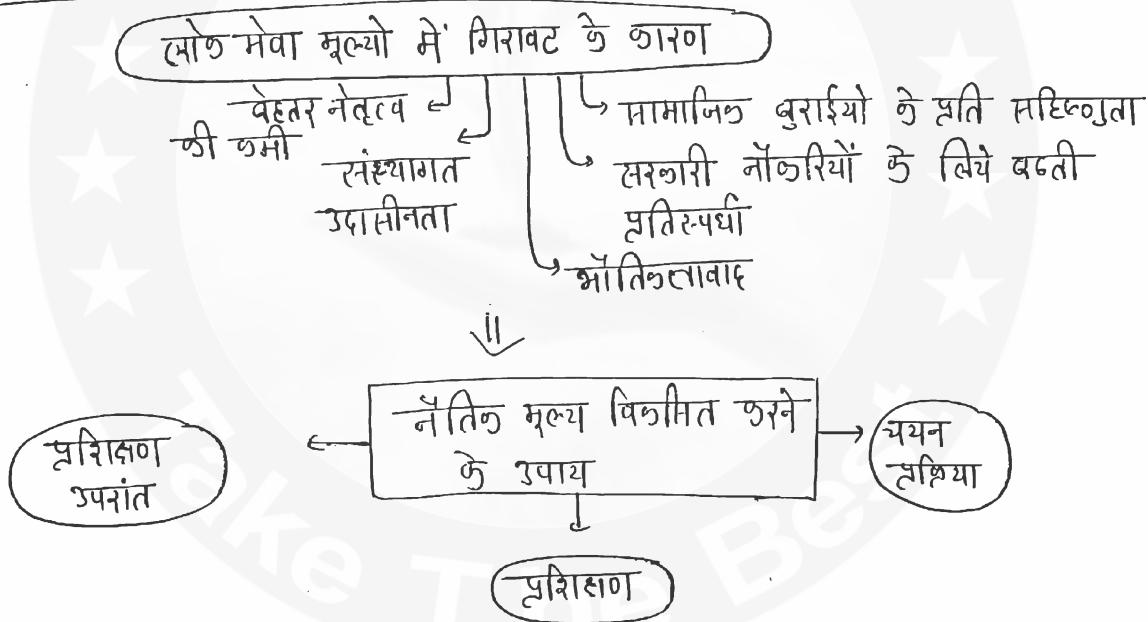
अंगदान में शामिल सभी जटिल नोटिक मुद्दे के लागत मरणारु को इसे नियंत्रित करने का व्याप्र छिया जाना चाहिए। यदि रोगी रखे समाज को दोनों वालों हाथ, दाता की हानि में अधिक है तो लोगों को अंगदान के लिए व्योमाधित छिया जाना चाहिए। वास्तविक जीवित दाता का मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी छिया जाना चाहिए जिसमें छिन्नी जी तरह के दबाव क्राधारित सहमति को प्रमझा जा सके। रक्त आॅप्ट-भाउट मिस्ट-टम जी प्रपाता जा पक्ता है जहां जो लोग अंगदान करने के इच्छुक नहीं हैं वे अपनी इच्छा व्यक्त कर पाएं।

रसमसामाधिय मुद्दा : निविल सेवको जो नीतिशास्त्र की शिक्षा

(36)

मुद्दे का आधार : निविल सेवा की परीक्षा के दौरान धोखाधड़ी के लिये चेन्नई में भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के ग्रोवरेनरी अधिकारी ने गिरफतारी ने गरिबल भारतीय सेवाओं में भविष्य की नियुक्तियों और उपचारियों के प्रशिक्षण पर धूमधिह लगा दिया है।

संगावित पूछना :- निविल सेवको में लोक सेवा मूल्यों की गिरावट के प्रमुख जानको जो वर्णित करते हुए निविल सेवको में नैतिक मूल्यों की विभिन्नता करने की प्रमुख क्रियाविधि की चर्चा जीजिए ?

Ans:-

(31)

मिलियल सेवको में मिलियल सेवा मूल्यों की गिरावट के कारण निम्नतिरिक्त हैं -

1) समाज में दृष्टि-कृपट, धोरणाधी, भाई-भतीजावाद, अध्याचार मौखिक विविध आदि जैसे विश्व मूल्यों के प्रति प्रदृष्टिशुद्धिकरण भ्रपता लिया गया है।

2) सरलागी नॉकरियों के लिये बहुती प्रतिक्षेप्य युवाओं पर प्रबोधन जा दबाव बढ़ रही है, जिसमें वे भटक सड़ते हैं जौर से जौर ट्रेवहार जैसे- पेपर लीड छाना, घूम देखने वाला बदला आदि कार्यों में शामिल होने लगे हैं।

3) वैश्वीजनिक, उदारीजन, निजीजन के पश्चात् भौतिकतावादी मूल्यों जा प्रमार भवित्व तेजी से बढ़ रहे हैं।

4) भर्ती के बाद बहुत जम विष्ठि भवित्वारी प्रशिक्षणों की सही मूल्य रिसर्वाने में लचि लेते हैं। भर्ती संस्थागत उदाहीनता भी प्रमुख भारत बना हुआ है।

मिलियल सेवको में नैतिक मूल्यों को विभाजित करने की प्रमुख हिता विधि -

भर्ती स्तर पर → ऐसे लोगों का चयन जो न उपेत इशासन की आडिलति रखते ही बल्कि लोल सेवा प्रमुख भी हों।

प्रविक्षण स्तर पर → द्वितीय इशासनिक पुधार उचायोग छाना भर्ती प्रविक्षण में प्रबंधित सुझावों की तात्परा करता।

द्वितीय ARC के इशासन राष्ट्रीय प्रशिक्षण मंथानों रखने वाले राज्य इशासनिक इशिसन संस्थानों के शासी नियाय में विशेषज्ञों की विवक्ति औ व्यापक बनाता।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति (1996) के लायी-वयन हेतु निगरानी तेज़ जा गठन।

प्रशिक्षण के बाद → 'दोता समिति' ने ईमानदार मिलियल सेवको भी पुश्टिकार्यों आडिलता में पचासे हेतु अधिक अधिकारियम में मंशोयन की मनुशंसा भी है।

लोल सेवा में सत्यताप्रविक्षण, योग्यता और उत्कृष्टता के प्रतिकृत मूल्यों जा मानव समावेशन करते हुए भारत मंथिता भर्ती

ममतामायित मुद्दा : जानवरों का परीक्षण

(36)

प्रश्न : जानवरों पर परीक्षण या प्रयोग के मत्तर्गत नई प्रौद्योगिकी, इवाजो, मांसंधि वृत्ताधनो, चिकित्सीय त्रृष्णियाओं से ऊन-य उपयोग उत्पादों के सुरक्षा संबंधी मानवों के विश्वास रखने परीक्षण हेतु जानवरों का उपयोग उत्तरा प्रभावित है। यह उद्दै तथा नीतिशील है ?

Answer :- जानवरों पर किये जाने वाले परीक्षण का मुद्दा महात्मा गांधी के द्वारा उल्लिखित मात-पापों में से स्त्री का हमरण छरताई है-

- 1) मानवता के बिना विज्ञान
- 2) चरित्र के बिना रक्त

यह विषय नीतिशील दुष्प्रिया में प्रबंधित है-

जानवरों पर परीक्षण किया जाए तो -

लाभ

- चिकित्सा विज्ञान से जीवन की रक्षा हेतु जानवरों का उपयोग वैज्ञानिक संसाधनों के रूप में उत्तरा
- साध्य अर्थात् मनुष्यों के लिये लाभ
- मानव अधिकार
- धार्मिक परंपराएँ जानवरों पर मानव वृद्धित्व की अनुमति प्रदान अती है।

दानि

- जानवरों के अरित्तत्व, इद्दि रखने पीड़ा को जीवित व्याणियों के समान न प्रभावित करना
- उत्तावशय दुर्ल्यवहार
- साधन अर्थात् जीवित व्याणियों का उपयोग शैवल साधन रूप में उत्तरा
- पशु अधिगार हनन
- धार्मिक परंपराएँ जानवरों के वृत्ति उत्तरा आव रखने का संदेश देती हैं

(ii) अता उपर्युक्त नैतिक द्रविधा से निपटने हेतु निम्नलिखित उपाय उपलब्ध जाने चाहिए -

1) 3 Rs (Reduction, Refinement, Replacement) के मिश्नेंट को लागू करता है। इसे ध्रूपीय संघ मौर मध्य देशों द्वारा नाबी आवश्यकता के काप में भी उपयोग गया है।

Reduction → न्यूनीकरण - उपयोग किये जाने वाले जानवरों की प्रतिलिपि कम करता है।

Refinement → परिष्करण - कम आकाशक तच्छीलों तक उपयोग तथा छेक्के इन प्रयत्नाओं हेतु जानवरों का उपयोग जो पहले से उपलब्ध न है।

Replacement → दृष्टिक्षेपन - वैश्विक तरीके की अनुपस्थिति में ही जानवरों पर परीक्षण करता है।

2) जानवरों पर परीक्षण के उच्च विभाष-

- इनविक्ट्रो विधियों उदाहरण - मार्ग-स - सॉन - स - चिप
(मानवीय गोल्ड कल्यान तथा जाती वा उपयोग)
- इनमिलिंग विधिया उदाहरण - उलत उम्प्युटर - मॉडलिंग
- मानव वार्टियर की प्रश्नागता उदाहरण माइक्रो डोजिंग
चिकित्सा दृष्टिक्षण के लिये ह्यूमा - पेशेट मिम्युलेटर
वा उपयोग करता है।

समस्यायिक मुद्दा: जांत्रों और विद्यायिकों के लिए आवश्यक संस्कृति

(Q)

उत्तमाधिक प्रश्नः- विद्यायिकों के अंदर और बाहर दोनों दृष्टिकोणों पर सदृश्यों के लिये आवश्यक संस्कृति का उपयोग कीजिए? भारत ने कठोर आवश्यक संस्कृति क्यों होनी चाहिए?

Demand:-

- विद्यायिकों के अंदर रुचि बाहर दोनों दृष्टिकोणों पर सदृश्यों के लिये आवश्यक संस्कृति का उपयोग क्या है?
- क्यों आवश्यक (तथा पिश्व में छह-कुछ स्पेशल व्यवस्थाएँ तो जपनायी गया)?
- भारत में कठोर आवश्यक संस्कृति की आवश्यकता के पीढ़े के लालों की चर्चा निषेध

Supply:-

दाल दी में उपराष्ट्रपति ने विद्यायिकों के अंदर और बाहर दोनों दृष्टिकोणों पर अपने सदृश्यों के लिए आवश्यक संस्कृति पर सर्वसमति प्रियमिति करने हेतु राजनीतिक दलों से चर्चा की।

आवश्यक संस्कृति

(41)

आचरण संहिता

उद्देश्य

- सार्वजनिक मानकों जो निर्धारित करना विस्तेर हासा सांसदों के आचरण का प्राप्तकरण किया जा सके
- अत्यधिकारी आचरण के पृति प्रतिक्रिया व्यक्त करने हेतु प्रत्यावित कार्यों के प्राप्तकरण हेतु

आवश्यकता क्यों?

रेप्टी राजनीतिक संस्कृति का विषयाल विस्तरमें



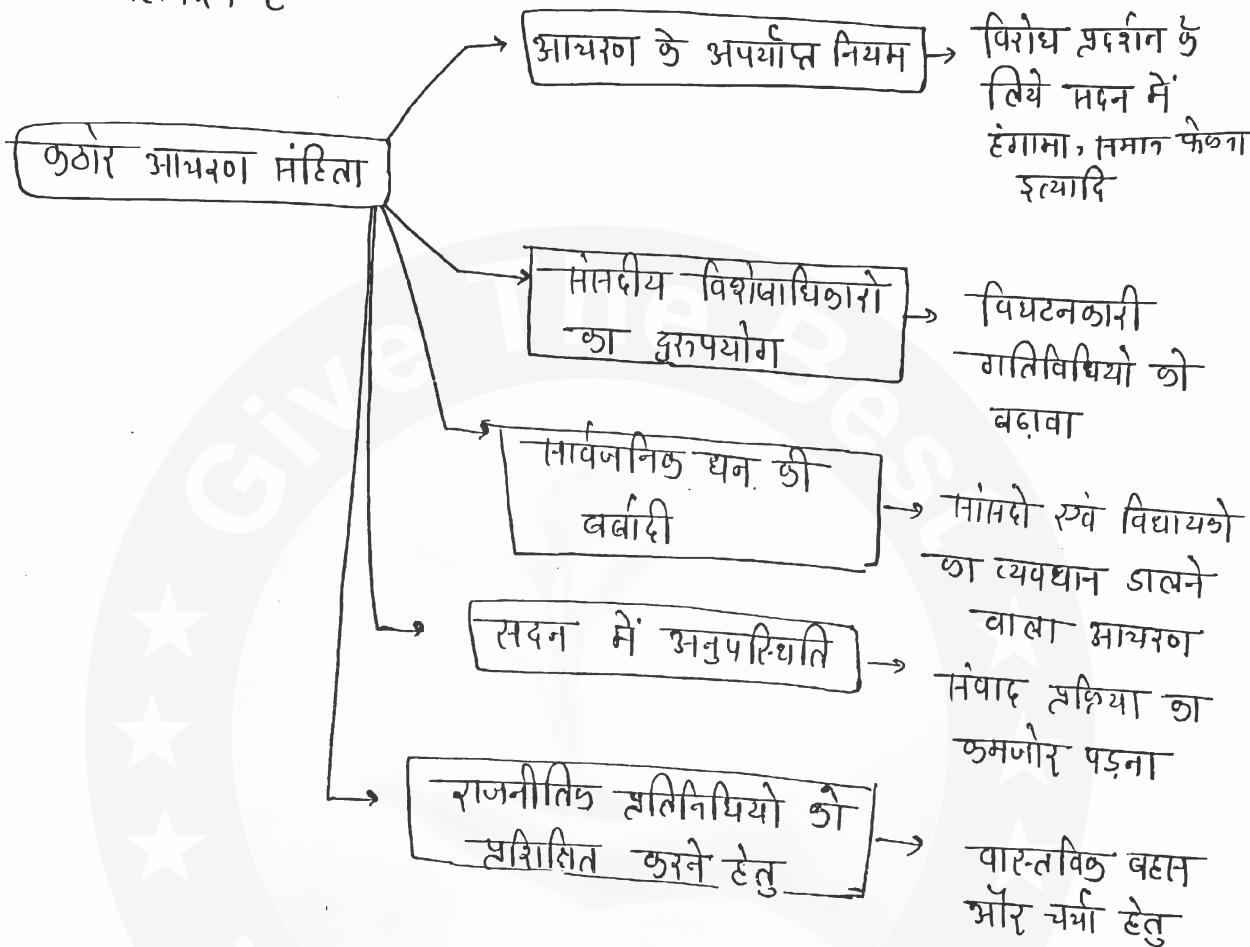
के साथ सांसद सदस्यों
के आचरण की शुरूत
हो हेतु हो

छिन्न भारत
में एक
पृथग्गत आचरण
संहिता हो

प्ररणा - जर्मनी, इंडिया
जापान, चीके और
संयुक्त राज्य अमेरिका
जैसे देशों में आपचारित
आचरण संहिता

(92)

भारत में कठोर आचरण संहिता निम्नविवित छानों से
महत्वपूर्ण है -



आचरण संहिता एक नेत्रिक व्यवस्था की स्थापना के समुद्रवत्वों में से एक है, जो सार्वजनिक अधिकारियों और संस्थानों में लोक विश्वास के पुनर्निर्माण हेतु आवश्यक है। लिंगु आचरण संहिता के अतिरिक्त संतियों को उनके उत्तिष्ठाता के प्रदर्शन में महत्वादिक एवं नेत्रिक आचरण के उच्चतम मानकों को भी बनाए रखने की आवश्यकता है। इस हेतु नीतिपरक आचार संहिता भी होनी चाहिए। जिसके अत्तर्गत निर्वाचिता, नियन्त्रिता, जवाबदी, निष्पक्षता, ईमानदारी, नेतृत्व आदि भी शामिल हों।